दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जब आस्था विवेक से अलग हो जाती है, तब धर्म मार्गदर्शन नहीं रह जाता, बल्कि भ्रम का माध्यम बन जाता है। सच्ची श्रद्धा वही है जो मनुष्य को सोचने, समझने और सत्य के करीब ले जाए, न कि उसे अंधविश्वास की ओर धकेले।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-197 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 10 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'चिमटा खेती' या आस्था का कारोबार–धर्म के नाम पर पनपता दिखावा और सवालों के घेरे में समाज

धर्म मानव जीवन की आत्मा है, जो व्यक्ति को नैतिकता, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। लेकिन जब इसी धर्म को साधन बनाकर स्वार्थ, प्रदर्शन और आडंबर का व्यापार शुरू हो जाए, तो वह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। आज के समय में एक ऐसा ही नया विमर्श उभर रहा है, जिसे प्रतीकात्मक रूप से 'चिमटा खेती' कहा जा सकता है–जहाँ आस्था के नाम पर चमत्कार, दिखावा और चंदा-संस्कृति का संगठित कारोबार फल-फूल रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है।

समाज में यह देखने को मिल रहा है कि कुछ तत्व धर्म और आध्यात्म के चोले में स्वयं को प्रस्तुत कर जनता की भावनाओं से खेल रहे हैं। साधु-संत और धार्मिक छवि के पीछे कई बार ऐसे चेहरे सामने आते हैं जिनका अतीत प्रश्नों से घिरा होता है। अपराध, अवैध गतिविधियाँ और आर्थिक अनियमितताओं से जुड़ी पृष्ठभूमि रखने वाले कुछ लोग अचानक आध्यात्मिक मार्ग पर 'परिवर्तन' का दावा करते हुए समाज में श्रद्धा का केंद्र बनने का प्रयास करते हैं। यह परिवर्तन यदि वास्तविक हो तो स्वागत योग्य है, लेकिन यदि इसके पीछे केवल एक नया 'आर्थिक मॉडल' हो, तो यह चिंताजनक बन जाता है। आज कई स्थानों पर धर्मस्थलों, आश्रमों और गौशालाओं के नाम पर विशाल आर्थिक नेटवर्क खड़ा होता दिखाई देता है। चंदा, दान और श्रद्धा के नाम पर बड़ी धनराशि एकत्र की जाती है। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब यह धन पारदर्शिता के अभाव में व्यक्तिगत विलासिता और दिखावटी जीवनशैली में बदलता दिखाई देता है। आलीशान भवन, लग्जरी वाहन, महंगे आभूषण और सोशल मीडिया पर चमत्कारों का प्रचार–ये सब मिलकर आस्था को व्यापार में बदलने का संकेत देते हैं। यह भी देखा जा रहा है कि कई बार धार्मिक आयोजनों में चमत्कार, यज्ञ और तांत्रिक क्रियाओं को ऐसे प्रस्तुत किया जाता है जैसे वे ही जीवन की सभी समस्याओं का अंतिम समाधान हों। कहीं लाल मिर्च जलाकर, कहीं हवन के नाम पर अजीब प्रदर्शन करके श्रद्धालुओं को आकर्षित किया जाता है। प्रश्न यह उठता है कि क्या धर्म का उद्देश्य भय और अंधविश्वास फैलाना है या व्यक्ति को आत्मविश्वास और विवेक प्रदान करना?

दूसरी ओर, आम नागरिक जो दिन-रात मेहनत करके अपनी आजीविका चलाता है, वह भी कई बार भावनात्मक रूप से इन आडंबरों का हिस्सा बन जाता है। वह अपने सीमित संसाधनों से दान करता है, यह सोचकर कि इससे उसका जीवन सुधरेगा या कोई चमत्कार होगा। लेकिन जब वही धन अनावश्यक भव्यता में परिवर्तित होता दिखता है, तो समाज में असंतोष और अविश्वास की भावना जन्म लेती है। यह स्थिति केवल धार्मिक संस्थाओं पर ही सवाल नहीं उठाती, बल्कि समाज की सोच पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। आखिर क्यों लोग परिश्रम और शिक्षा पर भरोसा करने के बजाय चमत्कारों की ओर आकर्षित होते हैं? क्यों मेहनत की कमाई की तुलना में 'तुरंत लाभ' देने वाले दावों पर अधिक विश्वास किया जाता है?

सत्य यह है कि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को भय से मुक्त करना है, न कि उसे भय और भ्रम में उलझाना। धर्म वह शक्ति है जो व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाती है, न कि उसे बाहरी आडंबरों पर निर्भर बनाती है। जब धर्म साधना से हटकर प्रदर्शन बन जाता है, तब वह अपनी मूल आत्मा खो देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज विवेकशील बने। श्रद्धा और अंधविश्वास के बीच अंतर को समझे। किसी भी धार्मिक गतिविधि को बिना प्रश्न किए स्वीकार करने के बजाय उसके उद्देश्य और पारदर्शिता पर भी विचार करे। साथ ही, धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय और नैतिक पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए ताकि आस्था का दुरुपयोग रोका जा सके। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि धर्म का वास्तविक स्वरूप सेवा, सत्य और सरलता में निहित है। यदि 'चिमटा खेती' जैसे प्रतीकात्मक आडंबर धर्म के नाम पर पनपते रहेंगे, तो यह न केवल आस्था को कमजोर करेंगे बल्कि समाज की सोच को भी दूषित करेंगे। समय आ गया है कि धर्म को व्यापार नहीं, बल्कि जीवन का नैतिक मार्गदर्शन माना जाए।

सीमा का सिपाही सड़क के गड्ढे से हार गया

बुहाना-पचेरी मार्ग पर स्थित गड्ढे से बिगड़ा संतुलन, दर्दनाक हादसे में गई बीएसएफ जवान की जान

बाइक-ईको टक्कर में बीएसएफ जवान की जान गई, दोनों बेटे अस्पताल में

कब जागेगा विभाग? एक और जवान सड़क हादसे का शिकार

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

बुहाना-पचेरी मार्ग पर शिवसिंहपुरा मोड़ के पास सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। इस हादसे में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान विनोद कुमार की मौत हो गई, जबकि उनके दोनों पुत्र देव (18) और दक्ष (13) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही जयसिंहपुरा गांव सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार जयसिंहपुरा निवासी विनोद कुमार अपने दोनों पुत्रों के साथ बाइक पर सवार होकर बुहाना की ओर जा रहे थे। शिवसिंहपुरा मोड़ के पास अचानक उनकी बाइक सामने से आ रही ईको गाड़ी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के आगे के हिस्से से परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। 108 एम्बुलेंस ने घायलों को बुहाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान बीएसएफ जवान विनोद कुमार ने दम तोड़ दिया।

मृतक जवान विनोद कुमार

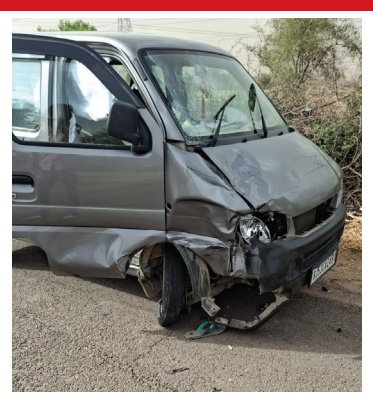

प्रत्यक्षदर्शियों का दावा: सड़क का गड्ढा बना हादसे की वजह

मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढे के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया। संतुलन बिगड़ते ही बाइक सामने से आ रही ईको गाड़ी से टकरा गई। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि सड़क की समय पर मरम्मत कर दी जाती तो शायद यह हादसा टल सकता था और एक परिवार का सहारा आज जीवित होता।

मृतक जवान के मौत का कारण बना बुहाना पचेरी रोड़ पर स्थित गड्ढा

देश की रक्षा करने वाला जवान सड़क की बदहाली का शिकार

करीब वर्ष 2006 में बीएसएफ में भर्ती हुए विनोद कुमार ने लगभग दो दशक तक देश सेवा की। सीमाओं पर देश की सुरक्षा करने वाला यह जवान आतंकियों और दुश्मनों से नहीं डरा, लेकिन अपने ही क्षेत्र की जर्जर सड़क ने उसकी जिंदगी छीन ली। विनोद कुमार अपने पीछे पिता कर्ण सिंह, माता सावित्री देवी, पत्नी मनीषा और दो पुत्रों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

पुलिस कर रही जांच

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पड़ताल की जा रही है। वहीं पूरे क्षेत्र की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग इस दर्दनाक हादसे से कोई सबक लेते हैं या नहीं।

बुहाना पचेरी रोड़ पर स्थित बहुत से गड्ढे यह भी कर रहें ओर बड़ा हादसा का इंतजार

पहले भी हो चुके हैं कई हादसे

ग्रामीणों के अनुसार यह पहला हादसा नहीं है। इससे पहले भी इसी मार्ग पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। भिर्र गांव के एक फौजी की भी सड़क दुर्घटना में जान जा चुकी है। वहीं बेरला निवासी एक मजदूर भी गड्ढे के कारण हादसे का शिकार होकर गंभीर रूप से घायल हुआ था और उसे जयपुर रेफर करना पड़ा था।लोगों का कहना है कि इस सड़क पर रोजाना छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं, लेकिन मामूली चोट लगने के कारण अधिकतर मामले सामने नहीं आ पाते।

कई बार शिकायतों के बावजूद नहीं जागा पीडब्ल्यूडी विभाग

ग्रामीणों का कहना है कि बुहाना-पचेरी मार्ग पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बने हुए हैं। इस संबंध में कई बार पीडब्ल्यूडी विभाग को शिकायतें दी गईं। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने भी सड़क की मरम्मत की मांग उठाई, लेकिन विभाग की ओर से केवल आश्वासन ही मिले। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब कोई बड़ा हादसा होता है तो विभाग कुछ गड्ढों में मिट्टी डलवाकर खानापूर्ति कर देता है, लेकिन स्थायी समाधान कभी नहीं किया जाता।

ग्रामीणों में रोष, जिम्मेदारी तय करने की मांग

बीएसएफ जवान की मौत के बाद क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने तथा हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत कर दी जाती तो आज एक जवान की जान नहीं जाती। अब सवाल यह है कि आखिर इन मौतों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

भारतीय जनता युवा मोर्चा झुंझुनूं के कार्यकर्ताओं ने की प्रदेश नेतृत्व से शिष्टाचार भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

भारतीय जनता युवा मोर्चा झुंझुनूं के कार्यकर्ताओं ने डॉ. देवेन खंडेलवाल के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। बैठक के दौरान संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा युवा मोर्चा को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। डॉ. देवेन खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा एवं जनहितकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहा है और आगे भी संगठन को मजबूती प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर अंकित, कुशल, बादल, रमन, मोहित एवं सत्यम सहित अन्य युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु विभिन्न मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी सूरजगढ़ को ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद द्वारा 22 सूत्रीय मांग पत्र का ज्ञापन उपखंड अधिकारी सूरजगढ़ को दिया गया। आरईएसए जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार पायल ने बताया कि शिक्षा व्यवस्था में मानवीय एवं भौतिक संसाधनों की आवश्यकता एवं इनमें सुधार हेतु विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया ह्न इन मांगों में प्राचार्य पदोंनति के अवसर बढ़ाना,समस्त शिक्षक संवर्ग की बकाया डीपीसी शीघ्र करना, आठ जिलों के गठन के बाद भी डाइट एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्वीकृत नहीं होना, पीईईओ व्यवस्था को समाप्त करना, प्रत्येक ब्लॉक पर दो नोडल विद्यालय गठित करना, विद्यालयों में सूचना सहायक के पद सृजित करना, विद्यालय संबलन से प्रधानाचार्य को मुक्त रखना, शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखना, एसएफजी की राशि जुलाई माह में आवंटित करना ,भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र प्रधानाचार्य की बजाय संबंधित विभाग से प्राप्त करना, विद्यालय में विभिन्न निर्माण कार्यों से प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को मुक्त रखना आदि विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान कर प्रधानाचार्य को राहत प्रदान करने हेतु निवेदन किया गया। इस समय आरईएसए ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कुमार जांगिड़ सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रधानाचार्य इनमें वेद प्रकाश नेहरा ,अंजू चाहर, संगीता डूडी, सनी कौर, नीलम काला, राजबाला ,डॉ. निधि, रमेश गढ़वाल, विजेंद्र यादव सहित अन्य प्राचार्य उपस्थित रहें।

नगरपालिका ईओ ने किया अन्नपूर्णा रसोइयों का आकस्मिक निरीक्षण व्यवस्थाएं सुधारने और अग्निशमन यंत्र दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नगरपालिका चिड़ावा के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार नुनिया ने मंगलवार को क्षेत्र में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोइयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ नगरपालिका टीम के कई अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहें। ईओ दिनेश कुमार नुनिया ने रसोई संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि राज्य सरकार द्वारा संचालित इस जनकल्याणकारी योजना के तहत भोजन करने आने वाले नागरिकों को पूरी तरह साफ और स्वच्छ वातावरण में बैठाकर सम्मानपूर्वक भोजन परोसा जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यहाँ आने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और भोजन की गुणवत्ता व स्वच्छता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए ईओ ने रसोई में लगे अग्निशमन यंत्रों (फायर एक्स्टिंग्विशर) को हमेशा चालू और सुचारू स्थिति में रखने के कड़े निर्देश प्रदान किए। इस आकस्मिक निरीक्षण के दौरान नगरपालिका के वरिष्ठ लिपिक संजय चौधरी, कनिष्ठ अभियंता आकाश जांगिड़, फायर प्रभारी दीपक जांगिड़ तथा कनिष्ठ सहायक यश भारतीय सहित नगरपालिका का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों ने मौके पर टोकन व्यवस्था और राशन की उपलब्धता की भी जांच की।

शहीदों की वीरांगनाओं एवं सैनिकों के सम्मान में भव्य समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । क्षेत्र के सैनिकों एवं शहीदों की वीरांगनाओं के सम्मानार्थ 11 जून बुधवार को मंडावा स्थित दहलीज़ रिज़ॉर्ट में भव्य सम्मान समारोह के रूप में किया जाएगा। समारोह का प्रातः 10:30 बजे होगा। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे सैनिकों एवं वीरांगनाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे। समारोह की अध्यक्षता कर्नल देवानंद सिंह लोहमरोड़ करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेंद्र खीचड़, दिनेश धाबाई एवं विशंभर पूनिया मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के संयोजक सज्जन सिंह पूनिया ने बताया कि समारोह का उद्देश्य सैनिकों एवं वीरांगनाओं के राष्ट्र और समाज के प्रति अमूल्य योगदान को सम्मान देना है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और बलिदान की भावना को सम्मानित करना समाज का दायित्व है। उन्होंने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में समारोह में पहुंचकर सैनिकों एवं वीरांगनाओं का सम्मान बढ़ाने की अपील की है।

स्वच्छ व स्वस्थ भारत के लिए हाथ ठीक से धोना जरूरी

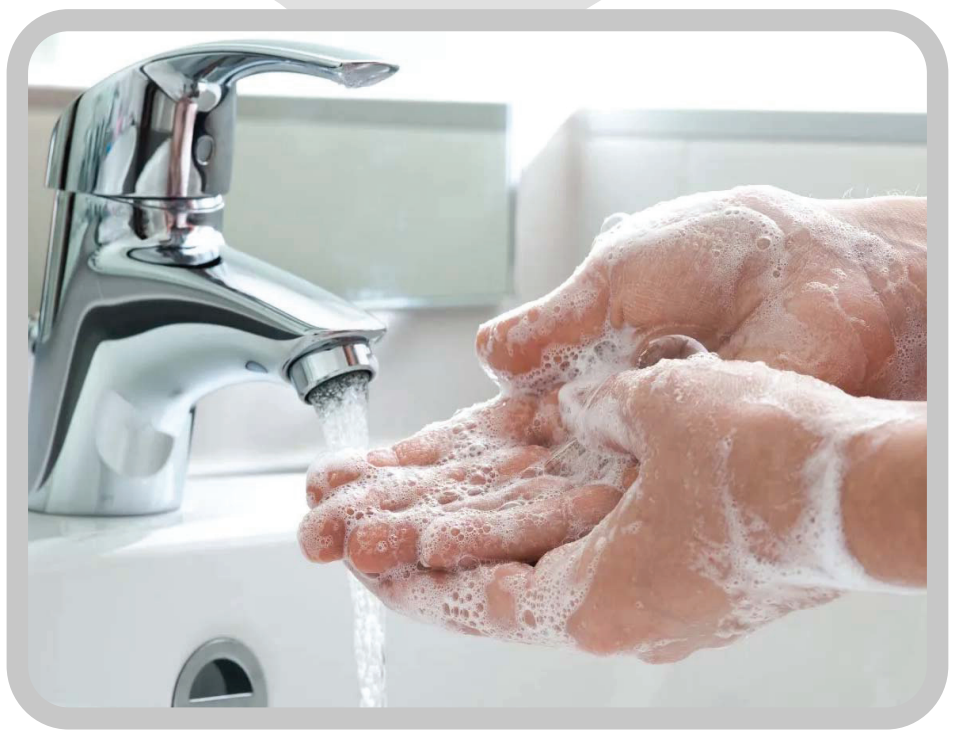

एक बार इस बात पर गौर कीजिए कि दिन भर में आप कितनी चीजें को हाथ लगाते हैं जैसे टेबल, फोन, मोबाइल, परदे, खिड़की, दरवाजे, पेन और चाबियां। घर से लेकर बाहर तक न जाने कितनी चीजों का दिन भर हाथ लगाना पड़ता है, जिन्हें गिनना भी मुश्किल है। ऐसी चीजों पर मौजूद कीटाणु आपके हाथ से होते हुए आपके मुंह द्वारा शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। उन सारे खाने-पीने की चीजों को याद कीजिए, जिन्हें आप हाथ से खाते हैं। इससे कीटाणु सीधे आपके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।दिन भर हाथ में दस्ताने पहन कर काम करना यों भी मुश्किल होता हैं क्योंकि इन कीटाणुओं से तभी बचा जा सकता है। मगर एक उपाय और भी है, जिससे इन कीटाणुओं से होने वाली बीमारी से आसानी से बचा जा सकता है वह है- हैंडवाश। हैंडवाश यानी हाथ को ठीक से धोना ही इन कीटाणुओं से बचने का एकमात्र उपाय है। मगर एक हकीकत यह भी है कि बच्चे तो छोड़िए बड़े भी ठीक से हाथ धोना नहीं जानते।बीते साल 'हेल्दी हैंड वाश डे' मनाया गया था। तब लगभग पांच लाख बच्चों को ठीक से हाथ धोना सिखाया गया। क्योंकि बच्चे जल्दी बीमार होते हैं। हर साल लगभग 40 लाख से भी ज्यादा बच्चे दस्त के कारण संक्रमण के शिकार हो जाते हैं। जिससे उनके मौत तक हो जाती है। इनमें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या ज्यादा होती है। गंदे हाथों से फैलने वाली बीमारियों में अतिसार इंफ्लुएंजा, जुकाम और आंखों में इंफेक्शन और सांस के रोग सामान्य हैं। गंदे हाथों से छोटे बच्चों में दस्त होने की समस्या सामान्य है। दस्त से हुए संक्रमण से बच्चों की जान भी चली जाती है। हेल्दी हैंड वाश की आदत बच्चों को ऐसी जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करती है। हेल्दी हैंड वाश का तरीका शायद ही लोगों को पता होगा। अक्सर टीवी पर हैंडवाश का विज्ञापन बच्चों को भ्रमित करता हैं। दस सेकेंड में हाथ साफ करने की सलाह वाला विज्ञापन भ्रामक हैं। अच्छी तरह हाथ धोना बचपन से ही सिखाना जरूरी हैं। पर साथ में हैंडवाश के लिए साधारण साबुन और मिट्टी इस्तेमाल करना गलत है। इससे हाथ के कीटाणु मरते नहीं बल्कि और बढ़ जाते हैं साथ ही बीमारी भी फैलती है। हाथ धोने के लिए लिक्विड साबुन का ही प्रयोग करें। अगर आप यह सोचते हैं कि किसी भी बीमारी के लिए एंटीबायोटिक देना सबसे बेहतर तरीका है, तो आपको एक बार फिर से सोचना चाहिए। बीमारी फैलाने वाले कीटाणु से बचने का सबसे बेहतर तरीका है हेल्दी हैंड वाश। यानी अच्छी तरह हाथ धोना। खाने से पहले, शौच के बाद या किसी भी काम के बाद हाथ जरूर धोना चाहिए। अगर आप किसी घाव या चोट को छू रहे हैं, तो अपने हाथ जरूर धोएं। होटल, रेस्टोरेंट, लाइब्रेरी, कम्प्यूटर वगैरह में किसी भी चीज का इस्तेमाल करने से पहले और बाद में हाथ जरूर धोएं। हाथ धोने का मतलब यह नहीं कि सिर्फपानी से धो लें। हाथ धोने के लिए साबुन का इस्तेमाल करें और हाथ को अच्छी तरह रगड़ कर धोएं ताकि धूल-मिट्टी निकल जाएं। हाथ धोने के लिए लिक्विड सोप का इस्तेमाल सबसे बेहतर तरीका है। ढंग से हाथ धोने से करीब 99 फीसद कीटाणु निकल जाते हैं। आज बाजार में कई तरह के हैंडवाश हैं, जिन्हें इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि साफव स्वच्छ हाथ ही आपको बीमारियों से बचा सकते हैं।

आत्मविश्वास बढ़ाना है तो इन बातों को हमेशा रखें ध्यान

आत्मविश्वास से भरा व्यक्ति न केवल सफलता के नए रास्ते खोज सकता है, बल्कि वह अपने निजी जीवन में भी ज्यादा खुश और स्वस्थ रहता है। शोधकर्ताओं ने लगातार आत्मविश्वास और सफलता के बीच एक संबंध पाया है। आत्मविश्वास से भरे लोगों को अधिक आकर्षक माना जाता है, ऐसे लोगों की डिमांड ज्यादा होती है और वे प्रोफेशनली बेहतर परफॉर्म कर पाते हैं। वे जीवन में जो कुछ भी करते हैं उनकी ज़िम्मेदारी ले पाने में सक्षम होते हैं और अधिक जोखिम भी उठा सकते हैं। यही वजह है कि वे स्वाभाविक रूप से बहुत से मौकों को अनलॉक कर पाते हैं। यदि आप इन विशेषताओं को खुद में भी देखना चाहती हैं, तो यहां जानें अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने के आसान उपाय।

1 एक दिलचस्प कहानी के साथ रहें तैयार- अगर आपके जीवन में बताने लायक कोई कहानी नहीं है, तो पढ़िए, देखिए, घूमिए। लोगों के बीच होने पर बहुत ज़रूरी है कि आपके पास कहने के लिए एक कहानी हो। लाइफ में अगर रोमांच या ड्रामे की कमी है, तो आपको नया क्या, आगे क्या जैसे आम सवालों के लिए तैयार होना चाहिए। आत्मविश्वास से भरे लोग कम्यूनिकेशन में शानदार होते हैं, लेकिन यह एक ऐसा कौशल है जिसे कुछ लोगों को दूसरों की तुलना में अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता होती है।

2 जिज्ञासा प्रदर्शित करें-एक अच्छे कम्यूनिकेशन के साथ अपने आस-पास के लोगों में सच्ची दिलचस्पी दिखाने की कोशिश करें। लोगों को अपने बारे में बात करने के लिए यहां अच्छे प्रश्न दिए गए हैं- आपको सबसे ज्यादा क्या पसंद है? आप इस समय किससे जूझ रहे हैं? आगे क्या होगा? आपको इन प्रश्नों का उत्तर स्वयं देने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ऐसा करने से आपको एक अच्छी कहानी बताने के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। **3 अपना पोश्चर सुधारें-**चलते, उठते, बैठते हुए झुके नहीं। हमेशा झुके रहना बताता है कि आप में आत्मविश्वास की कमी है। यदि आपको लगता है कि आप अपने आप झुक जाती हैं तो कंप्यूटर डिस्प्ले के किनारे रिमाइंडर के साथ एक नोट लगाएं। जब भी उस पर नज़र जाए सीधे बैठ जाएं। अपने पोश्चर को ठीक करने के लिए, अपने कंधों को स्ट्रेच करें और सीधा करें। फिर अपने ऊपर एक स्ट्रिंग खींचने की कल्पना करें। अपनी रीढ़ सीधी करें और अपनी ठुड्डी को ऊपर उठाएं ताकि एक सही पोजीशन मिल सके।

4 सेल्फ डाउट से उबरें - कम आत्मविश्वास वाले लोग अक्सर कमिटेड नहीं होते और लगातार खुद से सवाल पूछते हैं कि उनमें सबसे अच्छा क्या है? क्या मुझमें आत्मविश्वास है? क्या सबको लगता है कि मैं स्मार्ट हूं?अगर ऐसे प्रश्न आपके दिमाग में भी कौंधते हैं, तो बेहतर है कि इनकी पोटली बना कर कहीं फेंक दें। ऐसे प्रश्न आपके आत्मविश्वास में सेंध लगाने का काम करते हैं।

5 मुस्कुराहट संक्रामक है-जरा सोचिए, हंसते मुस्कुराते चेहरे किसे अच्छे नहीं लगते। खुश चेहरा न सिर्फ दूसरों को आकर्षित करते हैं, बल्कि आपके आत्मविश्वास में भी इजाफा करते हैं। आप यदि खुश रहेंगे तो आपके आसपास के लोग भी खुश रहेंगे, कई अध्ययनों में पाया गया है। कि ऐसे व्यक्ति को लोग पसंद करते हैं जिनका सेन्स ऑफ ह्यूमर अच्छा है या जो हंसते मुस्कुराते रहते हैं, जीवन से भरपूर हैं। इन बातों का ध्यान रख कर आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है।

स्मोकिंग का स्वैग बन सकता है-मुंह के कैंसर का कारण

कैंसर के कई कारण हो सकते हैं, और मुंह का कैंसर खराब जीवनशैली की वजह से हो सकता है। जानिए यह आपके लिए कितना घातक हो सकता है।मुंह का कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। ये भारत में सबसे आम कैंसर में से एक हैं। GLOBOCAN के आंकड़ों के अनुसार, होंठ और मुंह के कैंसर 10.3 प्रतिशत और कैंसर से संबंधित मौतों का 8.8 प्रतिशत है। इसका मतलब यह है कि भारत में हर साल 135,000 हजार लोगों मुंह के कैंसर से पीड़ित होते हैं, और लगभग 75,000 लोग इससे जान गवा बैठते हैं। जीभ के कैंसर, बुक्कल म्यूकोसा (गाल की अंदर की सतह), ऊपरी एल्वियोलस (ऊपरी जबड़ा), निचला एल्वियोलस (निचला जबड़ा), तालु और मुंह के तल सभी ओरल कैंसर हैं।

जानिए मुंह के कैंसर का क्या है कारण-तंबाकू का सेवन ओरल कैविटी कैंसर का प्रमुख कारण है। चौंकाने वाली बात यह है कि गुटखा, खैनी, सुपारी (पान) और अन्य धुंआ रहित तंबाकू का उपयोग भारत की 21.4 प्रतिशत आबादी द्वारा किया जाता है। शराब पीने से कुछ कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। तंबाकू के उपयोग से मुंह होने का खतरा तीस गुना बढ़ जाता है। कैंसर पान में सुपारी (सुपारी के रूप में भी जाना जाता है) से होता है, जो एक कैंसर पैदा करने वाला घटक है।

मुंह के कैंसर के लक्षण-अधिकांश रोगियों का धूम्रपान का इतिहास है। जीभ या गाल पर घाव होंना, कैविटी में वृद्धि, दांतों का ढीला होना, मुंह का कम खुलना और गर्दन की सूजन।ल्यूकोप्लाकिया, एरिथ्रोप्लाकिया, या सब-म्यूकोस फाइब्रोसिस जैसे कैंसर से पहले के रोग सभी मुंह के कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। ल्यूकोप्लाकिया ओरल कैविटी में एक सफेद स्थान है जिसका कोई ज्ञात कारण नहीं है। एरिथ्रोप्लाकिया एक लाल रंग का क्षेत्र है जो एरिथ्रोप्लाकिया के समान दिखता है।सबम्यूकोस फाइब्रोसिस गाल के नीचे सफेद बैंड की तरह है जो मसालेदार भोजन के प्रति अधिक संवेदनशीलता और मुंह खोलने में धीरे-धीरे कमी से जुड़ा हुआ है। यदि कोई रोगी जल्दी चिकित्सा सहायता लेता है और धूम्रपान से दूर रहता है, तो इन घावों के कैंसर में बदलने का जोखिम कम हो जाता है।

कैसे पता करें कि आपको मुंह का कैंसर है?जब इस प्रकार के कैंसर का रोगी कैंसर केंद्र का दौरा करता है, तो ऊपरी वायु-पाचन पथ की पूरी जांच की जाती है, साथ ही गर्दन की जांच की जाती है, ताकि गर्दन में फैले अतिरिक्त घावों या बीमारी का पता लगाया जा सके।एक बायोप्सी को संदिग्ध कैंसर स्थान से निकाला जाता है और विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाता है। जहां कैंसर की हिस्टोपैथोलॉजिकल पुष्टि प्राप्त की जाती है। किसी भी गर्दन की सूजन का परीक्षण एफएनएसी (फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी) से किया जा सकता है ताकि यह देखा जा सके कि कैंसर कोशिकाएं मौजूद हैं या नहीं। कभी-कभी, कैंसर फैलने की डिग्री निर्धारित करने और भविष्य की चिकित्सा की योजना बनाने के लिए सीटी स्कैन या एमआरआई स्कैन जैसे रेडियोलॉजिकल परीक्षण आवश्यक होते हैं। फेफड़ों में ट्यूमर के फैलने का पता लगाने के लिए छाती का एक्स-रे या सीटी स्कैन भी किया जाता है।

मुंह के कैंसर का इलाज-बीमारी का चरण निर्धारित करता है कि इन घावों का इलाज कैसे किया जाता है। स्टेज 1 और 2 घावों का इलाज एक ही तरीके से किया जा सकता है, जैसे कि सर्जरी या रेडिएशन। इन घावों के लिए सर्जरी का समर्थन किया जाता है क्योंकि वे आसानी से सुलभ होते हैं और केवल एक ही उपचार की आवश्यकता होती है। कुछ परिस्थितियों में, ब्रैकीथेरेपी (एक प्रकार का विकिरण) नियोजित किया जा सकता है। स्टेज III/IV घावों के लिए एक बहु-मोडल दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें सर्जरी, रेडिएशन या कीमोथेरेपी शामिल होती है।

मुंह के कैंसर के इलाज के बाद रीहैबिलेशन-ओरल कैंसर थेरेपी में एक महत्वपूर्ण मात्रा में रीहैबिलेशन शामिल है। जीभ, गाल या जबड़े के एक हिस्से को हटाने वाली सर्जरी के बाद बोलने और निगलने में अक्षमता वाले रोगी उभर कर सामने आते हैं। रेडिएशन और कीमोथेरेपी जैसी नॉन-सर्जिकल थैरेपी के बाद भी मरीजों को खाने और बोलने में काफी दिक्कत होती है। रोगी को इन कार्यों को फिर से करने में सहायता के लिए, रीहैबिलेशन प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है। निगलने को आसान बनाने के लिए भाषण और निगलने वाले चिकित्सक द्वारा विभिन्न निगलने वाले मूवमेंट सिखाये जाते हैं। उपचार के बाद रोगी को अधिक स्पष्ट रूप से कैसे बोलना है, यह शिक्षित करने के लिए स्पीच थेरेपी भी दी जाती है।

अबॉर्शन के बाद आपको सबसे ज्यादा अपना ख्याल रखना है

जब आप किसी बच्चे को जन्म देती हैं, तब इसे आपका नया जन्म माना जाता है। पर अबॉर्शन भी आपके शरीर और भावनाओं को कमजोर कर देनी वाली प्रक्रिया है।अमेरिका में लगभग आधी से ज़्यादा प्रेगनेंसीज़ अनवांटेड होती हैं। गर्भावस्था का दर अधिक होने के साथ, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि चार में से एक महिला का 45 वर्ष की आयु तक गर्भपात हो जाता है। द गुट्टमाकर इंस्टीट्यूट द्वारा 2026 के एक अध्ययन में पाया गया कि यू.एस.ए. में, 18% गर्भधारण में आगे चलकर अबॉर्शन होता है। ज़्यादातर अनवांटेड प्रेगनेंसीज़ के केस में यह होता है कि आपको पता चलता है कि आप गर्भवती हैं और आपको इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होती है।ऐसे में जब आपको अचानक से पता चलता है तो आपके मन में कई तरह के ख्याल आना लाज़मी है। कि अबॉर्शन कराना सेफ है या नहीं? इसे करने के बाद आगे चलकर प्रेगनेंसी में कोई समस्या तो नहीं आएगी?हमें सबसे ज़्यादा डर इस बात का लगता है कि अबॉर्शन कराने के बाद क्या होगा। क्योंकि यह हर महिला के लिए एक कठिन निर्णय होता है। इसलिए आपकी शंकाओं को दूर करने क लिए हमने बात की प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ऋतु सेठी से। **तो अबॉर्शन के बाद आपको किस तरह के लक्षणों का सामना करना पड़ता है-**कई महिलाओं को गर्भपात के बाद पहले कुछ दिनों में रक्तस्राव और ऐंठन का अनुभव होता है। यह सामान्य है क्योंकि आपका गर्भाशय गर्भावस्था से पहले के आकार में वापस आ जाता है। हल्का रक्तस्राव या स्पॉटिंग छह सप्ताह तक रह सकता है, लेकिन कुछ महिलाओं को बिल्कुल भी रक्तस्राव का अनुभव नहीं होता है।गर्भपात के बाद, आपके हार्मोन को गर्भावस्था से पहले के स्तर पर स्थिर होने के लिए समय चाहिए।

मंडावा में विकास कार्यों को मिलेगी गति, लंबित समस्याओं का जल्द होगा स्थाई समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा नगर पालिका क्षेत्र के विकास और स्थानीय जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर भाजपा नेता विद्याधर सैनी ने अपने जयपुर प्रवास के दौरान राज्य सरकार के दो कद्दावर मंत्रियों से अहम मुलाकात की। सैनी ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग (ष्ठ॥) मंत्री झाबर सिंह खर्रा और झुंझुनू जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत से शिष्टाचार भेंट कर मंडावा कस्बे के प्रमुख मुद्दों को मजबूती से उनके समक्ष रखा।

मूलभूत समस्याओं और रुके कार्यों पर हुई चर्चा

इस विशेष मुलाकात के दौरान भाजपा नेता विद्याधर सैनी ने मंडावा नगर पालिका क्षेत्र में आमजन को आ रही मूलभूत दिक्कतों, रुके हुए विकास कार्यों और स्थानीय आवश्यकताओं की ओर दोनों मंत्रियों का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने क्षेत्र के विकास को

गति देने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की और मंडावावासियों की मांगों को प्रमुखता से उठाया।

कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा और झुंझुनू जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने मंडावा से जुड़ी इन जनसमस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना। दोनों ही मंत्रियों ने विद्याधर सैनी के प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि इन सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द निवारण किया जाएगा, ताकि जनता को समय पर राहत मिल सके।

मंडावावासियों में जगी नई उम्मीद

उच्च स्तरीय वार्ता के बाद कस्बे की लंबित विकास परियोजनाओं में तेजी आने की संभावना है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि लंबे समय से चली आ रही मूलभूत समस्याओं का अब स्थाई समाधान निकल सकेगा, जिससे मंडावा में विकास की एक नई बयार बहेगी।

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड की हत्या: आपसी विवाद में जान गई, आरोपी परिवार सहित फरार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में मंगलवार सुबह आपसी विवाद के चलते सिक्योरिटी गार्ड की हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी स्कूल में ही रहने वाला व्यक्ति अपने पूरे परिवार के साथ फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में नाकाबंदी कराई गई है। जानकारी के अनुसार मृतक सुभाष चंद्र सेन निवासी बांगड़ अहीर स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत था। बताया जा रहा है कि स्कूल परिसर में ही रहने वाले रामप्रसाद, जो उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, से सुबह किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि रामप्रसाद ने सुभाष चंद्र सेन पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना

के बाद रामप्रसाद पत्नी और बच्चों सहित फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस बीच होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल के निदेशक ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में 7 लाख रुपये का चेक भेंट किया। पुलिस ने आरोपी रामप्रसाद और उसके परिवार को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के सटीक कारणों की जांच की जा रही है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस सनसनीखेज वारदात से स्कूल और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

दौरे का असर: साल भर से टूटी सड़क चार दिन में दुरुस्त, शिक्षा मंत्री को बिसाऊ दिखे चमचमाता

शिक्षा मंत्री के स्वागत में सजा बिसाऊ, जेसीबी-ट्रैक्टर के साथ उतरी पालिका की फौज

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के 11 जून को प्रस्तावित बिसाऊ दौरे से पहले नगर पालिका पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रही है। मंत्री के शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर पिछले चार दिनों से पालिका की मशीनरी युद्धस्तर पर सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्यों में जुटी हुई है। शहर के प्रमुख मार्गों, समारोह स्थल और पार्किंग स्थलों पर विशेष अभियान चलाकर सफाई करवाई जा रही है। नगर पालिका के ईओ सीताराम कुमावत के अनुसार पुलिस चौकी के पास स्थित श्रीरामजी कसेरा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के नए भवन के शिलान्यास कार्यक्रम को देखते हुए समारोह स्थल, पार्किंग एरिया और वहां तक जाने वाले मार्गों पर विशेष ध्यान दिया गया है। जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉली और करीब 20 सफाई कर्मचारियों की टीम लगातार सफाई कार्य में लगी हुई है। पालिका द्वारा मलसीसर

स्टैंड से पुलिस चौकी मार्ग, सिंगतियों की छतरी, गोरियों की मस्जिद क्षेत्र सहित कई स्थानों से मिट्टी, मलबा और कचरा हटाया गया। नए बने नाले की सफाई करवाकर नालियों पर गाटर भी लगवाए गए। वहीं

पार्किंग स्थलों को समतल और साफ करने के लिए जेसीबी से विशेष कार्य कराया गया। मंत्री के 132 फीट ऊंची शिव प्रतिमा के दर्शन और सेठ दुर्गादत्त जटिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण कार्यक्रम को देखते हुए संबंधित मार्गों और विद्यालय परिसर के आसपास भी सफाई अभियान चलाया गया। सड़कों पर बने गड्ढों को भरने और गौशाला में आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा स्थल तक जाने वाले मार्गों को भी व्यवस्थित किया गया।

दौरे ने जगाई प्रशासन की नींद?

शहर में चर्चा का विषय यह भी बना हुआ है कि मंत्री के दौरे से पहले वे काम भी तेजी से होने लगे हैं, जिनकी मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जीण माता मंदिर लिंक रोड है, जो पाइपलाइन डालने के बाद करीब एक साल से टूटी हुई पड़ी थी। स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद मरम्मत नहीं हो सकी, लेकिन शिक्षा मंत्री के दौरे की घोषणा होते ही सड़क की मरम्मत कर दी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों के दौरे नियमित होते रहें तो शायद शहर की कई समस्याएं भी समय पर दूर होती रहें।

ट्रायल रूम वीडियो कांड पर फूटा जनाक्रोश, चिड़ावा रहा पूरी तरह बंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के एक ट्रायल रूम में महिला का वीडियो बनाने के मामले को लेकर मंगलवार को चिड़ावा बंद रहा। हिंदूवादी, व्यापारिक एवं राजनीतिक संगठनों के संयुक्त आह्वान पर हुए बंद का व्यापक असर देखने को मिला। दूध डेयरियों को छोड़कर शहर के अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। मामले के आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है तथा उसकी दुकान को भी अपने कब्जे में ले लिया गया है। बंद के दौरान पिलानी रोड, खेतड़ी रोड, पुरानी तहसील रोड, मुख्य बाजार, विवेकानंद चौक, गौशाला रोड, झुंझुनूं रोड, स्टेशन रोड और सूरजगढ़ रोड सहित प्रमुख बाजार पूरी तरह बंद रहे। सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम चहल-पहल दिखाई दी।विवेकानंद चौक पर विभिन्न संगठनों की ओर से सामूहिक सभा आयोजित की गई। सभा को भाजपा नेता राजेश दहिया, पृथ्वीराज शर्मा तथा जय सिंह माठ सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, नीतिका थालोर तथा वर्षा सोमरा ने महिला सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। सभा के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने कहा कि वह पूरे मामले को लेकर उच्च अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं तथा दोषी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी

और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ट्रेनी आरपीएस अंबिका ने बताया कि सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर कैलाश की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। मामले में कई नई गैर-जमानती धाराएं भी जोड़ी गई हैं। साइबर टीम आरोपी के मोबाइल फोन का डेटा खंगाल रही है और जुटाए गए सभी साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। मामले की जांच सुल्ताना थाना प्रभारी सीआई रविंद्र कुमार को सौंपी गई है। बंद के मद्देनजर डीएसपी विकास धींधवाल के निर्देशन में शहर के विभिन्न स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल एवं यातायात पुलिस के जवान तैनात किए गए। पुलिस द्वारा लगातार गश्त कर कानून व्यवस्था बनाए रखी गई।

श्मशान घाट तक जाने के लिए नहीं बचा रास्ता: 10 साल से गंदे पानी में गुजर रही अंतिम यात्राएं, टांई के ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर दरबार

'जीते जी तो परेशानी है ही, मौत के बाद भी नहीं मिल रहा सम्मान जनक रास्ता' ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

निकटवर्ती ग्राम टांई में श्मशान भूमि तक जाने वाले आम रास्ते में वर्षों से जमा गंदे पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को जिला कलेक्टर अरुण गर्ग से मिला और ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में श्मशान घाट तक पहुंचने का केवल एक ही रास्ता है, जो पिछले करीब 10 वर्षों से गंदे पानी और कीचड़ से प्रभावित है। ऐसे में किसी परिवार में मृत्यु होने पर अंतिम यात्रा निकालना भी चुनौती बन जाता है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी

समाधान नहीं हो पाया है। गंगा सिंह के नेतृत्व में शम्भुदयाल जोशी, सोनू उपाध्याय, कृष्ण कुमार भार्गव, संजय उपाध्याय सहित दर्जनों ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि अगम सिंह के घर से लेकर बजरंग माली के घर तक रास्ते में गंदा पानी जमा रहता है। हालात ऐसे हैं कि अंतिम संस्कार के लिए अर्थी को कई बार ट्रैक्टर-ट्रॉली के सहारे कीचड़ से निकालना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि किसी परिवार पर दुख की घड़ी में यह समस्या उनकी पीड़ा को और बढ़ा देती है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में यह भी बताया कि गांव के वार्ड संख्या 1 एवं 2 में डाकघर से लेकर बन्ने सिंह तंवर के घर तक सड़क और नालियां क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। पानी निकासी का नाला कचरे से अटा पड़ा है, जिससे गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है। इससे आवागमन बाधित होने के साथ-साथ मच्छरों की बढ़ोतरी और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की कि श्मशान घाट मार्ग सहित पूरे गांव में जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त कर गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने नालों की सफाई, सोख्ता कुओं की सफाई तथा नालों के मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने के आदेश दिए। साथ ही मंडावा बीडीओ को भी समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश जारी किए गए।

सेवा से सजा जन्मदिन: MRB टीम ने भंडारा लगाकर मनाया बच्चों का बर्थडे, दिया समाज को प्रेरणा का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । जन्मदिन को केवल केक और पार्टी तक सीमित रखने की बजाय सेवा और परोपकार से जोड़ने की अनूठी पहल करते हुए नीमराना की एमआरबी टीम ने कृष्ण टावर के पास भंडारे का आयोजन कर बच्चों का जन्मदिन मनाया। इस दौरान राहगीरों, जरूरतमंदों और आमजन को सब्जी, पूरी और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। एमआरबी टीम की इस पहल ने समाज को यह संदेश दिया कि खुशियों के अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। टीम के सदस्यों ने बताया कि इस पहल का नाम

'एमआरबी' परिवार के बुजुर्गों के सम्मान में रखा गया है। इसमें एम - माडू राम (परदादा), आर - रामेश्वरम दयाल (दादा) तथा बी - भीम सिंह एवं भारत भूषण (पिता व चाचा) के नाम शामिल हैं। इस प्रेरणादायी आयोजन के पीछे अधिवक्ता प्रमिला आर. गुराया, दादी शीला देवी एवं दादा भीम सिंह का विशेष मार्गदर्शन और आशीर्वाद रहा। कार्यक्रम के दौरान एमआरबी टीम के हनुमान वशिष्ट (मैनेजर), अधिवक्ता यशिका आनंद, आकाश बड़सीवाल की उपस्थिति में एडवोकेट अजय गोरिया ने अपने पुत्र तृष गोरिया का चौथा जन्मदिन मनाया।

आयोजकों ने कहा कि यदि बच्चों के जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाए जाएं तो उनमें बचपन से ही सामाजिक सरोकार, संवेदनशीलता और सहयोग की भावना विकसित होती है। एमआरबी टीम ने लोगों से अपील की कि वे भी अपने परिवार की खुशियों को समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ साझा करें, ताकि सेवा, संस्कार और मानवता की भावना को बढ़ावा मिल सकें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और एमआरबी टीम की इस पहल की सराहना की।

समाजसेवी अमित चिरानिया बने अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के दूसरी बार जिला चेयरमैन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जाने-माने समाजसेवी अमित चिरानिया अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सीकर जिला इकाई के लगातार दूसरी बार जिला चेयरमैन बने है। चिरानिया के लगातार दूसरी बार अग्रवाल समाज के सीकर जिला चैयरमेन बनने से समाज की एकजुटता, सक्रियता, संगठन विस्तार व प्रगति में जहां मजबूती मिलेगी। वहीं समाज की गतिविधियों में और अधिक बढ़ोतरी भी होगी। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल एवं राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल द्वारा जारी मनोनयन पत्र में

समाजसेवी अमित चिरानिया की सक्रियता निष्ठा एवं पिछले कार्यकाल के किए गए कार्यों को देखते हुए दुबारा मनोनयन किए जाने पर चेयरमैन चिरानिया ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त किया है। वहीं समाज के प्रबुद्ध जनों, सामाजिक, सार्वजनिक संगठनों के पदाधिकारियों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व समर्थकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

राव राजा कल्याण सिंह बहादुर की 140वीं जयंती की तैयारियां तेज, प्रचार-प्रसार टीम का गठन

14 जून को महिलाओं एवं सर्व समाज की बैठकें होंगी, भव्य आयोजन को लेकर बनी रणनीति

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

राव राजा कल्याण सिंह बहादुर की 140वीं जयंती समारोह को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को श्री भवन में राजकुमार हरदयाल सिंह त्रिलोक्य लक्ष्मी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सर्व समाज के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जयंती समारोह के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए टीम का गठन किया गया।ट्रस्ट के मंत्री पवन मोदी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राव राजा कल्याण सिंह बहादुर की जयंती भव्य एवं गरिमामय तरीके से मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि समारोह का आयोजन गोविंदम, गोपीनाथ गौशाला के सामने किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि समारोह को लेकर महिलाओं की बैठक 14 जून को प्रात: 11 बजे तथा सर्व समाज की बैठक उसी दिन शाम 6 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं जनसहभागिता को लेकर चर्चा की जाएगी।

बैठक में संयोजक चितरंजन सिंह राठौड़, कार्यक्रम संयोजक एवं श्री राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह पिपराली, ईश्वर सिंह राठौड़, राजेंद्र खंडेलवाल, गजेंद्र सिंह राजास, गिरवर सिंह झांझड़, बाबू सिंह बाजोर, महावीर पुरोहित, भंवरलाल जांगिड़, अजीत भार्गव, प्रभु सिंह, बलबीर डाबी, राजवीर सिंह, हेम सिंह धमोरा, रमेश धीवा, जितेंद्र सिंह नाथावत, सुरेश अग्रवाल, सुमेर सिंह, भवानी सिंह, विक्रम सिंह वाहिदपुरा, रतन सिंह, सज्जन सिंह, सूर्यवीर सिंह दूजोद, जय सिंह, जितेश शर्मा, ओमप्रकाश कामदार, व्यापार मंडल अध्यक्ष महावीर चौधरी, अर्जुन घासोलिया, मगन सिंह, छोटेलाल सर्वा, प्रदीप सिंह सेवा, नवरंग सिंह, प्रदीप सिंह मोहनवाड़ी, भवानी सिंह राठौड़ सरायन, कन्हैयालाल सेजवानी, सुल्तान सिंह, श्री सिंह दिवराला एवं महावीर सिंह राठौड़ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जयपाल सिंह तारपुरा ने किया।

सीमांकन कार्य के बदले रिश्वत मांगना पड़ा भारी, नीमराना में पटवारी धर्म सिंह 4500 रुपये लेते एसीबी के हत्थे चढ़ा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना क्षेत्र में कार्यरत पटवारी धर्म सिंह को 4500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय की टीम ने यह ट्रैप कार्रवाई की। आरोपी धर्म सिंह पटवार हल्का दोसौद में पटवारी के पद पर कार्यरत है तथा पटवार हल्का रैवाना का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल रहा था। एसीबी को प्राप्त शिकायत के अनुसार परिवादी की ग्राम तलवाना, पटवार हल्का रैवाना, तहसील नीमराना में स्थित भूमि के संबंध में नामांतरण और सीमांकन का कार्य लंबित था। आरोप है कि पटवारी ने पहले

नामांतरण कार्य के बदले रिश्वत की मांग की थी। बाद में परिवादी द्वारा जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन करने पर आरोपी ने कार्य करने की एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत मांगी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। सत्यापन के दौरान आरोपी ने रिश्वत की राशि में 500 रुपये कम कर 4500 रुपये लेने पर सहमति जताई।

इसके बाद उप महानिरीक्षक ओम प्रकाश मीणा के सुपरवीजन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में गठित टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को 4500 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी अधिकारियों ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि प्रकरण में अन्य किसी व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है।एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है तो उसकी सूचना तत्काल भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को दें, ताकि दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

स्वरूप सराय में स्कूल के सामने तालाब बना रास्ता, जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने मांगा स्थायी समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । मुंडावर उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत करणीकोट के गांव स्वरूप सराय में सरकारी स्कूल के सामने मुख्य रास्ते पर बारिश का पानी भर जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जलभराव के कारण राहगीरों के साथ-साथ स्कूली बच्चों का आवागमन भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के बाद सड़क पर लंबे समय तक पानी जमा रहता है, जिससे आसपास गंदगी और कीचड़ फैल जाता है। इससे मक्खी-मच्छरों की संख्या बढ़ गई है और वायरल बुखार व अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत करणीकोट के सरपंच प्रतिनिधि को अवगत कराया है और जल्द से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते पर उचित जल निकासी की व्यवस्था होने से आमजन और विद्यार्थियों दोनों को राहत मिलेगी। इस दौरान सुनील शर्मा, मनोज, राजदीप, उम्मीद, धर्मेंद्र, सत्यवीर मीणा, नरेंद्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से भी अपील की है कि समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई कर जल निकासी की उचित व्यवस्था कराई जाए।

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने और पीईईओ भत्ते की मांग

राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, मांगें पूरी न होने पर संगठन ने दी प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (रेसा) ब्लॉक इकाई मंडावा द्वारा शिक्षा विभाग और विद्यालयों की स्थिति को सुदृढ़ करने तथा शिक्षा अधिकारियों व प्रधानाचार्य संवर्ग की जायज मांगों के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार व ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम सुमन के नेतृत्व में शिक्षा अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नायब तहसीलदार मुकेश कुमार को यह ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की। परिषद के सदस्यों ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि संगठन के हितों की अनदेखी की गई और मांगों पर सकारात्मक रुख नहीं अपनाया गया, तो आने वाले दिनों में प्रदेश स्तर पर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

समय पर बजट की उपलब्धता:

विद्यालयों के विकास और संचालन के लिए आवंटित होने वाला विभिन्न प्रकार का बजट सत्र के प्रारंभ में ही जारी किया जाए, ताकि विकास कार्य बाधित न हों।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे मौजूद:

ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन की एकजुटता साफ नजर आई। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम सुमन के साथ महिपाल बुगालिया, रणजीत कुमार, राजेश रणवा सहित क्षेत्र के कई स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षा विभाग के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। 'प्रधानाचार्य और शिक्षक वर्ग आज प्रशासनिक और कागजी कार्यों के बोझ तले दबा हुआ है। हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। यदि सरकार हमारी मांगों पर जल्द विचार नहीं करती है , तो हमें मजबूरन आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ेगा।

वीसी और गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति

शिक्षकों को पढ़ाई के अलावा अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। साथ ही, प्रधानाचार्यों को दिनभर होने वाली लंबी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) मीटिंग्स से राहत दी जाए, ताकि वे विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपना अधिकतम समय दे सकें। विद्यालयों में होने वाले निर्माण कार्यों में यदि कोई गड़बड़ी या वित्तीय अनियमितता होती है, तो उसके लिए केवल प्रधानाचार्य को जिम्मेदार न ठहराकर वास्तविक दोषियों की जवाबदेही तय की जाए। विभाग में रिक्त पड़े पदों को तुरंत भरा जाए और डीपीसी (पदोन्नति) का कार्य समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

ज्ञापन में उठाई गई मुख्य मांगें और समस्याएं:

प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षा व्यवस्था में सुधार और शिक्षकों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए निम्नलिखित प्रमुख बिंदु उठाए गए। पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि: प्रधानाचार्यों के प्रमोशन के अवसरों को बढ़ाने के लिए विभाग में 'अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी' के नए पदों का सृजन किया जाए।

वेतन विसंगति दूर हो व पीईईओ भत्ता मिले:

प्रधानाचार्यों पर बढ़ते अत्यधिक कार्यभार को देखते हुए उन्हें केंद्र सरकार के समान वेतनमान और अतिरिक्त कार्य के बदले पीईईओ भत्ता दिया जाए। कार्यालयों में स्टाफ की कमी दूर हो: शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कार्यालयों में सुचारू कामकाज के लिए शिक्षा संवर्ग के नए पद स्वीकृत किए जाएं।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत मंडावा में नई नियुक्तियां, संजय मील बने प्रभारी और सीताराम सैनी सह-प्रभारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

प्रभारी संजय मील

सह प्रभारी सीताराम सैनी

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन के तहत मंडावा नगर निकाय क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी एवं ग्रामीण) के ब्रांड एंबेसडर एवं समन्वयक के.के. गुप्ता द्वारा जारी आदेश के अनुसार मंडावा क्षेत्र में अभियान को गति देने के लिए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश के तहत संजय मील को मंडावा नगर निकाय का प्रभारी तथा सीताराम सैनी को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारियों को स्वच्छता संबंधी गतिविधियों की निगरानी एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की जिम्मेदारी दी गई है। स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों और समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए दोनों अधिकारियों को नगर निकाय के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से आमजन सीधे अपनी शिकायतें और सुझाव साझा कर सकेंगे।

नई व्यवस्था के तहत नगर क्षेत्र में गंदगी, कचरा निस्तारण, सफाई व्यवस्था और अन्य स्वच्छता संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही प्रभारी एवं सह-प्रभारी स्वयं भी क्षेत्र में निरीक्षण कर गंदगी से संबंधित फोटो एवं जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप में साझा करेंगे, जिससे संबंधित विभाग तत्काल कार्रवाई कर सकें। स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर एवं समन्वयक के.के. गुप्ता ने कहा कि इस पहल से स्वच्छता अभियान को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम के नेतृत्व में मंडावा नगर क्षेत्र स्वच्छता के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। साथ ही आमजन को सफाई संबंधी समस्याओं से जल्द राहत मिल सकेगी।यह आदेश अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका मंडावा को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया है। स्थानीय प्रशासन को उम्मीद है कि नई जिम्मेदारियों और बेहतर निगरानी व्यवस्था के माध्यम से मंडावा शहर 'स्वच्छ राजस्थान-स्वस्थ राजस्थान' के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद द्वारा विद्यालय, विद्यार्थी और शिक्षक हित में राज्य सरकार के नाम 22 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

22 सूत्रीय मांग पत्र उमादत्त झाझडिया के नेतृत्व में चिड़ावा तहसीलदार रामकुमार पुनिया को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर रेसा के जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार पायल, नीरज सिहाग, राजकुमार बलवदा तथा हरकेश मान सहित कई शिक्षा अधिकारी व संस्थाप्रधान उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार पायल ने बताया कि छात्र-शिक्षक अनुपात के आधार पर शिक्षा विभाग के उच्च पदों का पुन: निर्धारण करने, बकाया डीपीसी को शीघ्र पूरा करने तथा नवगठित 8 जिलों में शेष कार्यालय एवं डाइट स्वीकृत करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। ?ज्ञापन में प्रधानाचार्यों का वेतनमान केंद्र सरकार के अनुरूप करने तथा पीईईओ/यूसीईईओ के अतिरिक्त प्रशासनिक दायित्व के बदले मूल वेतन का 10 प्रतिशत विशेष भत्ता देने की मांग की गई है। मांग पूरी न होने पर परिषद् ने पीईईओ कार्यों के पूर्ण बहिष्कार की चेतावनी दी है। इसके अलावा शिक्षकों को जनगणना व चुनाव के अतिरिक्त सभी गैर-शैक्षणिक कार्यों व निरंतर वीसी (VC) से मुक्त रखने, स्कूलों में सूचना सहायक का पद सृजित करने तथा भवन निर्माण व सुरक्षा प्रमाण-पत्र जैसे तकनीकी कार्यों की जिम्मेदारी सीधे एडीपीसी कार्यालय को सौंपने की पुरजोर मांग की गई है। तहसीलदार ने ज्ञापन लेकर उचित माध्यम से सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

डालमिया विद्या मंदिर में समर कैंप 2026 का भव्य समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

डालमिया विद्या मंदिर चिड़ावा में दिनांक 18 मई से आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस समर कैंप में कुल 51 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कला, संगीत तथा नृत्य के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समर कैंप में कला एवं शिल्प के लिए जयपुर से पधारे गोपाल लाल ने विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। संगीत प्रशिक्षण के लिए विहान सर एवं अजय सर ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। वहीं कथक नृत्य के लिए मुंबई से आईं भारती किशोर ने विद्यार्थियों को शास्त्रीय नृत्य की बारीकियों से परिचित कराया। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने अपने सीखे हुए कौशलों का शानदार प्रदर्शन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में लगभग 50 अभिभावकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। अभिभावकों के सहयोग और प्रोत्साहन ने कार्यक्रम को और भी सफल एवं प्रेरणादायक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य शक्ति सिंह ने उपस्थित अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं अतिथि प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नमिता चौधरी ने अपने प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक शब्दों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया तथा उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया। इस कैंप में विद्यालय के म्यूजिक शिक्षक मुकेश भट्ट, आर्ट शिक्षक जयदीप दईया और नृत्य शिक्षिका मीनाक्षी तथा विनीता चौधरी का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय परिवार ने सभी शिक्षकों ,अतिथि प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रथ द्वारा सारथी को भगवान तक पहुंचना मनुष्य जीवन का अंतिम लक्ष्य- पंडित तिवाड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जरा जीव विचारों मन मे तेरी आत्मा का कैसा रूप है ये देह नहीं है तेरी आत्मा तू तो सतचित आनन्द रूप है। इस भजन के माध्यम से वाणी भूषण प्रभुशरण तिवाड़ी ने स्पष्ट किया की जो शरीर हम देख रहें है वह हमारा नहीं है। उन्होंने कहा की द्रष्टा एवं दृश्य कभी एक नहीं हो सकते। हम जिसको देख रहें है वह हम कैसे हो सकते है, देखने वाला मै हूँ जो शरीर दिखाई दे रहा है वह मै नहीं हूं। इस प्रकार यह शरीर हमारा नहीं है मै स्वयं आत्मा हूं। आत्मा ईश्वर का अंश है, जैसे बूँद समुद्र का अंश है। सेहिकलां के नेत दादा मंदिर परिसर में पवित्र पुरुषोत्तम मास के अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस तिवाड़ी ने कहा की मनुष्य जीवन का अंतिम लक्ष्य भगवान की प्राप्ति है। यह शरीर रथ है आत्मा इसकी सारथी है। रथ द्वारा सारथी को भगवान तक पहुंचना है। कथा में श्रीकृष्ण- सुदामा की सजीव झांकी एवं मधुर भजनों से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

कथा के प्रारंभ में यजमान दीनदयाल शर्मा व अशोक शर्मा ने सपत्नीक भागवत व व्यास पूजन किया। कथा की समाप्ति पर आयोजन समिति के सदस्यों ने कथा व्यास वाणी भूषण प्रभुशरण तिवाड़ी का अभिनंदन किया। कथा के पश्चात मुख्य यजमान दीनदयाल शर्मा द्वारा हवन एवं प्रीति भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ जगदीश प्रसाद शर्मा, विक्रम शर्मा, करनसिंह शेखावत, सत्यनारायण कुमावत, हजारीलाल शर्मा, बुद्धिधर कुलहरी, भागीरथ जांगीड, राकेश पुनिया प्रवीण शर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, मातुराम महरिया, संजय भगत, नत्थुराम शर्मा, जितेंद्र जांगीड., ब्रह्मानंद पुनिया, संतोष सिंह शेखावत, रतनलाल शर्मा, पवन शर्मा योगेश जांगीड,निशांत जांगीड,अरविन्द शर्मा संजय भगत, सीताराम शर्मा, अशोक शर्मा, संतोष सिंह शेखावत, ओमप्रकाश महरिया, प्रमोद भगत, होशियारी लाल शर्मा, गजाननंद शर्मा,अनिल शर्मा, धरमसिंह शेखावत,रवि कुमावत, कैलाश वर्मा, राजेंद्र नायक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे मौजूद रहे।

नारनौल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 23 साल से नरकीय जीवन, सीवर ओवरफ्लो से गली-गली में भरा गंदा पानी

हर जगह आवेदन के बाद भी सुनवाई नहीं; बदबू व मक्खी-मच्छर से बीमार हो रहे लोग, प्रशासन बेखबर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

महेंद्रगढ़ रोड़ स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रहवासियों का जीवन पिछले 23 वर्षों से नरक बना हुआ है। कॉलोनी में सीवर ओवरफ्लो व गंदे पानी के स्थायी जलभराव की समस्या से लोग त्रस्त हैं। मीडिया की टीम ने मौके पर जाकर स्थानीय लोगों से बात की तो दर्द छलक पड़ा। हैकॉलोनी की निवासी ज्योति जी ने बताया, '23 साल हो गए इसी हाल में रहते हुए। यहां का सीवर लगातार ओवरफ्लो हो रहा है जिससे सारा गंदा पानी गलियों में भर-भर जाता है। हमने नगर पालिका, डीसी ऑफिस, सीएम विंडो, हर जगह आवेदन दे दिए, पर आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। ना तो कॉलोनी की सड़क बन रही है और ना ही सीवर की समस्या हल हो रही है।' उन्होंने आगे कहा कि गंदे पानी की निकासी न होने से घरों के सामने कीचड़ व बदबू का आलम है। बदबू व मक्खी-मच्छरों के कारण बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। डेंगू, मलेरिया व पेट संबंधी रोग आम हो गए हैं।

जनप्रतिनिधि-अधिकारी बेखबर

स्थानीय निवासी राजेश कुमार का कहना है कि चुनाव के समय हर नेता वादा करके जाता है, पर जीतने के बाद कोई झांकने तक नहीं आता। हर विभाग में चक्कर काट-काट कर थक गए, फाइलें धूल खा रही हैं पर काम नहीं हो रहा। सीवर लाइन चोक होने व ओवरफ्लो के कारण गंदा पानी पूरी कॉलोनी में फैल जाता है।

स्कूली बच्चों का निकलना दूभर

कॉलोनी से रोजाना सैकड़ों स्कूली बच्चे गुजरते हैं। सीवर ओवरफ्लो से भरे गंदे पानी से होकर निकलने के कारण उनकी ड्रेस व किताबें खराब हो जाती हैं। प्रशासन से लगाई गुहार कॉलोनीवासियों ने जिला प्रशासन व नगर पालिका से मांग की है कि 23 साल पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। हर जगह आवेदन देने के बाद भी अनसुनी कर रहे अधिकारियों पर कार्रवाई हो और सीवर लाइन की सफाई, नई सड़क का निर्माण व नियमित फॉगिंग कराई जाए।

वंशिका गर्ग मामले में मंडावर में उठी न्याय की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

वैश्य महासम्मेलन व अग्रवाल सम्मेलन मंडावर के लोग ज्ञापन सौंपने के दौरान एकजुट होते हुये।

मनोज खंडेलवाल । जयपुर के प्रताप नगर क्षेत्र में 15 वर्षीय छात्रा वंशिका गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में मंडावर में वैश्य एवं अग्रवाल समाज ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मंडावर के तहसील अध्यक्ष विजय झालानी तथा अग्रवाल सम्मेलन मंडावर के अध्यक्ष महेशचंद गर्ग के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार अक्षयप्रेम चेयरवाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग करते हुए कहा गया कि घटना को लेकर समाज में कई सवाल और चिंताएं हैं। समाज ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की विशेष टीम गठित कर पूरे प्रकरण की गहन जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

लूना की ढाणी में पैंथर का आतंक: तीन बकरियों पर हमला, एक की मौत, एक को उठा ले गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

कस्बे के लूना की ढाणी में मंगलवार को पैंथर के हमले से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। पैंथर ने पशुपालक प्रभु दयाल गुर्जर की तीन बकरियों पर हमला कर दिया। हमले में एक बकरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बकरी को पैंथर उठाकर ले गया। वहीं तीसरी बकरी गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के रेंजर पवन सिंह शेखावत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके अलावा पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. अशोक जांगिड़ तथा खेतड़ी पुलिस थाना की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। वन विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में पैंथर की गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई तथा ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी। घटना के बाद लूना की ढाणी और आसपास के क्षेत्रों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से पैंथर की निगरानी बढ़ाने और लोगों व पशुधन की सुरक्षा के लिए प्रभावी इंतजाम करने की मांग की है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा प्रभावित पशुपालक को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं ग्रामीणों से रात के समय अकेले बाहर नहीं निकलने और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर बांधने की अपील की गई है।

मानद सदस्यता से जुड़ीं कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, भारत विकास परिषद के सेवा-संस्कार अभियान को मिला नया संबल

संपर्क पखवाड़े के तहत हुई मुलाकात, परिषद के स्थायी प्रकल्पों की जानकारी के बाद ग्रहण की सदस्यता।

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । भारत विकास परिषद की ओर से चलाए जा रहे संपर्क पखवाड़े के तहत मंगलवार को परिषद पदाधिकारियों ने जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा से शिष्टाचार मुलाकात कर परिषद के सेवा, संस्कार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े स्थायी प्रकल्पों की जानकारी दी। परिषद के कार्यों और जनहित गतिविधियों से प्रभावित होकर जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने परिषद की मानद सदस्यता ग्रहण की। बैठक के दौरान परिषद पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा समाज हित में संचालित विभिन्न सेवा एवं संस्कार आधारित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर परिषद सदस्य एवं उप जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, शाखा अध्यक्ष विष्णुदेव खंडेलवाल, प्रांतीय संयोजक संस्कार संजय खंडेलवाल (पीलवा), सेवा संयोजक विनोद शर्मा, महिला सहभागिता संयोजक जागृति रैला, विजय मित्तल, कृष्णा खंडेलवाल तथा संयुक्त सचिव विमल धौंकरिया उपस्थित रहे।

जनगणना में डेटा की शुद्धता और विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता: तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर

तहसीलदार ने सुपरवाइजरों की समीक्षा बैठक लेकर दिए निर्देश, बुनियादी सुविधाओं और मकानों की निर्माण सामग्री के भौतिक सत्यापन पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने मंगलवार को तहसील कार्यालय में जनगणना कार्य से जुड़े समस्त सुपरवाइजरों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने जनगणना कार्य की वर्तमान प्रगति और डेटा की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान कुल अपेक्षित भवनों के मुकाबले अब तक ऑनलाइन दर्ज किए जा चुके भवनों की स्थिति, शेष बचे कार्य की प्रगति तथा विभिन्न क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा किए गए कार्यों का बारीकी से मूल्यांकन किया गया।

बुनियादी सुविधाओं के आंकड़ों का होगा भौतिक सत्यापन

बैठक में डॉ. भास्कर ने सभी सुपरवाइजरों को कड़े निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ प्रगणकों द्वारा दर्ज की गई सभी सूचनाओं का पुनः गहन परीक्षण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंकड़ों में किसी भी तरह की विसंगति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तहसीलदार ने विशेष रूप से निम्नलिखित प्रविष्टियों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। घरेलू सुविधाएं जैसे शौचालय की उपलब्धता, पेयजल के स्रोत, प्रकाश के मुख्य स्रोत और इंटरनेट की सुविधा वहीं ईंधन और उपकरण जैसे गैस कनेक्शन की स्थिति, जलाऊ लकड़ी का उपयोग और मोबाइल उपकरणों की उपलब्धता। मकानों की स्थिति में भवनों की छत में प्रयुक्त निर्माण सामग्री (जैसे कंक्रीट, टीन, या कच्ची सामग्री) भविष्य की नीतियों का आधार ये आंकड़े हैं। डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने सुपरवाइजरों को संबोधित करते हुए कहा कि 'जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसमें डेटा की शुद्धता और विश्वसनीयता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी सूचनाएं धरातल की वास्तविक स्थिति के अनुरूप और तथ्यात्मक रूप से शत-प्रतिशत सही दर्ज की जानी चाहिए, क्योंकि इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की लोक-कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी नीतियों का निर्माण होता है।'

लंबित कार्य शीघ्र पूरे करने के निर्देश

बैठक के अंतिम चरण में प्रगणकों द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर भवनों को 'पूर्ण रूप से चिन्हित करने' की प्रगति की समीक्षा की गई। तहसीलदार ने जिन क्षेत्रों में कार्य अभी धीमा या लंबित है, उन्हें समय सीमा के भीतर शीघ्र पूरा करने के कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सुपरवाइजरों को हिदायत दी कि डेटा प्रविष्टि में किसी भी प्रकार की मानवीय या तकनीकी त्रुटि न रहे, इसके लिए वे स्वयं फील्ड में नियमित निगरानी और विशेष सावधानी बरतें। बैठक में तहसील क्षेत्र के कई मुख्य सुपरवाइजर और जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

टोहाना शहर पुलिस ने एस सी एसपी एक्ट के तहत दो सप्ताह बाद भी नहीं की आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही

हरियाणा भीम आर्मी (लीगल विंग)के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने आरोपीयों के खिलाफ की शीघ्र जांच व कार्यवाही की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना शहर में एक दलित परिवार का व्यक्ति रिक्शा चालक महावीर पुत्र बब्बर मान निवासी वार्ड नं 12, डांगरा रोड़, टोहाना अपने साथ हुई मारपीट व आरोपी द्वारा जाति सूचक गालीयां देकर सरेआम अपमानित करने पर दो सप्ताह बीत जाने के बाद तक भी दलित महाबीर पुत्र बब्बर मान

निवासी वार्ड नं 12, डांगरा रोड़ टोहाना की सुनवाई पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 22मई को पिडित ने लिखित शिकायत एस एच ओ थाना शहर, डीएसपी टोहाना,एसपी फतेहाबाद को सतीश व उसके दो लड़कों के खिलाफ मारपीट करने व रेलवे स्टेशन के बाहर जहां अन्य ई-रिक्शा संचालकों की भीड़ के सामने सरे-आम मारपीट कर जाति सूचक गालीयां देकर अपमानित किया, शिकायत करने के दो सप्ताह बाद भी आरोपीयों के खिलाफ कोई जांच या कानूनी कार्रवाई नहीं होने से दलित समुदाय में भारी आक्रोश देखने में आ रहा है। समाधान शिविर में भी दलित महाबीर पुत्र बब्बर भान द्वारा कानूनीतौर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने पर आज एसपी महोदया को पुनः शिकायत भेजी है तथा न्याय की गुहार लगाई है।

गरीबों की रसोई पर मोदी सरकार का नया वार, उज्ज्वला लाभार्थियों से छीनी जा रही राहत- पूर्व विधायक सरदार निशान सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना?

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं टोहाना के पूर्व विधायक सरदार निशान सिंह ने उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडरों की संख्या में कटौती को गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर सीधा हमला बताते हुए केंद्र सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पहले उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को साल में 9 गैस सिलेंडरों पर सब्सिडी का लाभ मिलता था, लेकिन अब इसे घटाकर सिर्फ 4 सिलेंडरों तक सीमित कर दिया गया है। इससे गरीब परिवारों को मिलने वाली राहत में भारी कमी आएगी और घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। सरदार निशान सिंह ने कहा कि देश की जनता पहले ही पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से परेशान है। पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ते दामों ने परिवहन लागत बढ़ा दी है, जिसका असर हर वस्तु की कीमत पर पड़ रहा है। ऐसे में गैस सब्सिडी में कटौती का फैसला जनता की मुश्किलों को और बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। एक तरफ पेट्रोल-डीजल के ऊंचे दामों ने आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ाया है, वहीं दूसरी तरफ गैस सिलेंडर पर मिलने वाली राहत भी कम की जा रही है। इससे गरीब, किसान, मजदूर, कर्मचारी और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पूर्व विधायक ने कहा कि सरकार चुनावों के समय गरीबों के हितों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन हकीकत में जनहित की योजनाओं मे कमी की जा रहा है। उज्ज्वला योजना के नाम पर करोड़ों महिलाओं को लाभ देने का दावा किया गया था, लेकिन अब सब्सिडी में कटौती कर उन वादों को गरीबो के लिए घातक साबित किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि उज्ज्वला लाभार्थियों को पहले की तरह पर्याप्त संख्या में सब्सिडी वाले सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं तथा पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर तुरंत राहत दी जाए। 'महंगाई की मार से जनता पहले ही परेशान है। पेट्रोल-डीजल महंगा, गैस महंगी और अब सब्सिडी में भी कटौती। यह गरीब और मध्यम वर्ग के साथ अन्याय है। कांग्रेस पार्टी जनता के हक की इस लड़ाई को मजबूती से उठाती रहेगी।'

वायरल वीडियो के बाद आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, मंडावर के दो शराब ठेकों पर दर्ज हुए अभियोग

प्रिंट रेट से अधिक और कम कीमत पर शराब बिक्री मिली, रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शराब बिक्री में अनियमितताओं और आबकारी विभाग की कथित मिलीभगत के आरोपों को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद आबकारी विभाग हरकत में आ गया। मंगलवार को विभाग ने मंडावर कस्बे के बस स्टैंड तथा सायपुर-पाखर स्थित शराब ठेकों पर औचक निरीक्षण कर कार्रवाई को अंजाम दिया। जांच के दौरान दोनों ठेकों पर नियमों के विपरीत शराब बिक्री के मामले सामने आने पर अभियोग दर्ज किए गए हैं। जानकारी के अनुसार पिछले दो दिनों से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें शराब कारोबार से जुड़े आरोपों के बीच प्रिंट रेट से अधिक एवं कम कीमत पर शराब बिक्री तथा नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए गए थे। मामला चर्चा में आने के बाद आबकारी विभाग ने जांच के निर्देश जारी किए। आबकारी विभाग के निर्देश पर किए गए औचक निरीक्षण में मंडावर के बस स्टैंड एवं सायपुर-पाखर स्थित शराब ठेकों की जांच की गई। जांच के दौरान दोनों ठेकों पर अंग्रेजी शराब का विक्रय निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर किया जाना पाया गया। वहीं बस स्टैंड स्थित एक शराब ठेके पर देशी शराब का विक्रय प्रिंट रेट तथा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम दर से कम कीमत पर किया जाना भी सामने आया।आबकारी निरीक्षक लोकेश यादव ने बताया कि मंडावर क्षेत्र के शराब अनुज्ञाधारियों के मध्य अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा संबंधी शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर दोनों ठेकों के विरुद्ध अभियोग दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि संपूर्ण कार्रवाई की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है तथा आगे की दंडात्मक कार्रवाई आबकारी आयुक्त कार्यालय जयपुर स्तर से नियमानुसार की जाएगी। ग्रामीण अंचल में चर्चा का विषय बने इस मामले ने एक बार फिर शराब बिक्री व्यवस्था की निगरानी और नियामकीय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले अनुज्ञाधारियों के विरुद्ध आबकारी विभाग किस स्तर की कार्रवाई करता है।

नागरिकों की सुविधा के लिए लघु सचिवालय में हेल्प डेस्क स्थापित : एसडीएम आकाश शर्मा

ऑनलाइन आवेदन, शिकायत पंजीकरण व आवेदन टाइपिंग की मिलेगी निःशुल्क सुविधा

शिकायतों की होगी नियमित मॉनिटरिंग, आवेदनों को किया जाएगा ट्रैक

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपमंडल लघु सचिवालय टोहाना में प्रशासन द्वारा हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से नागरिक विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे तथा किसी भी विभाग से संबंधित शिकायत दर्ज करवाने हेतु आवेदन टाइप करवाकर जमा करा सकेंगे। इस सुविधा के लिए नागरिकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।एसडीएम आकाश शर्मा ने बताया कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज करवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को शिकायत की रसीद उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों की नियमित रूप से ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग भी की जाएगी, ताकि उनका समयबद्ध निपटान सुनिश्चित हो सके। प्रशासन संबंधित विभागों से लगातार फॉलोअप कर शिकायतों की प्रगति पर नजर रखेगा।एसडीएम ने कहा कि लघु सचिवालय परिसर में कार्यरत कोई भी टाइपिस्ट सेवाओं के लिए निर्धारित सरकारी शुल्क से अधिक राशि नहीं वसूल सकता। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लघु सचिवालय में विभिन्न सेवाओं की निर्धारित सरकारी फीस की सूची प्रमुख स्थानों पर चस्पा की जाएगी। उन्होंने सभी टाइपिस्टों को भी अपने कार्यालयों में यह शुल्क सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क का उद्देश्य केवल आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि उनकी प्रगति पर नजर रखते हुए नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। यह पहल आमजन और प्रशासन के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाएगी।

मतदाता सूची में फोटो अपडेट कराने के लिए बीएलओ को दें दो रंगीन फोटो- टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से मतदाता सूची होगी अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित

घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे बीएलओ, 15 जून से 14 जुलाई तक चलेगा अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं एसडीएम आकाश शर्मा ने क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान अपने घर पहुंचने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य उपलब्ध करवाएं, ताकि मतदाता सूची में उनकी फोटो एवं अन्य जानकारियां सही और सटीक रूप से दर्ज की जा सकें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है और बीएलओ द्वारा मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। एसडीएम आकाश शर्मा मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2026 के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत मतदाता सूची का व्यापक सत्यापन किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र एवं गलत प्रविष्टियों को हटाकर सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है।उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग ने 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी युवा मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज करवा सकेंगे। अभियान के अंतर्गत 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे, एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाएंगे, फोटो एवं अन्य विवरण अपडेट करेंगे तथा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे।

प्रारूप सूची प्रकाशित होने के बाद अवश्य जांचें अपना नाम, पता और फोटो

एसडीएम आकाश शर्मा ने नागरिकों से आह्वान किया कि प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद वे अपने नाम, पते, फोटो तथा अन्य विवरणों की सावधानीपूर्वक जांच करें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या कमी दिखाई दे तो निर्धारित समयावधि के भीतर दावा अथवा आपत्ति दर्ज करवाएं। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जिससे पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जा सकें तथा सूची में मौजूद त्रुटियों का समयबद्ध समाधान किया जा सके।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सफल होगा तथा क्षेत्र की मतदाता सूची और अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं विश्वसनीय बन सकेगी। इस दौरान नायब तहसीलदार रसविंदर सिंह व सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विनय बैनीवाल भी मौजूद रहे।

घर-घर कचरा अभियान ठप, पहाड़ी पर दम तोड़ रहा पालिका का ई-वाहन; सफाई व्यवस्था पर उठे बड़े सवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और घर-घर से कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगरपालिका को उपलब्ध कराए गए ई-कचरा संग्रहण वाहनों की वर्तमान स्थिति अब खुद व्यवस्था की हकीकत बयान करती नजर आ रही है। कभी शहर की गलियों में नियमित रूप से दौड़ने वाले ये वाहन आज या तो पूरी तरह बंद पड़े हैं या फिर देखरेख के अभाव में कबाड़ बनने की कगार पर पहुंच गए हैं। स्थिति यह है कि नगरपालिका का एक ई-कचरा संग्रहण वाहन नगर पालिका परिसर में खड़ा होने के बजाय पाखर-द्वितीय क्षेत्र की पहाड़ी पर लंबे समय से लावारिस अवस्था में खड़ा है, जो अब बदहाली और क्षतिग्रस्त हालत का शिकार हो चुका है।करीब एक वर्ष पूर्व तक नगरपालिका प्रशासन द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण अभियान को युद्धस्तर पर संचालित किया जा रहा था। नए डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं से लैस ई-वाहन शहर के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर नियमित रूप से कचरा एकत्रित करते थे, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली थी और स्वच्छता अभियान को भी मजबूती मिली थी। लेकिन समय के साथ यह व्यवस्था अचानक ठप पड़ गई और आज हालात ऐसे हैं कि घर-घर कचरा संग्रहण का अभियान लंबे समय से बंद पड़ा है। इससे शहरवासियों को मजबूरन कचरा इधर-उधर फेंकना पड़ रहा है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। सबसे गंभीर सवाल उस ई-वाहन को लेकर उठ रहे हैं जो पाखर क्षेत्र की पहाड़ी पर उपेक्षित अवस्था में खड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आखिर किसके आदेश पर यह वाहन वहां खड़ा किया गया और फिर इसकी देखरेख क्यों नहीं की गई। वाहन की वर्तमान हालत देखकर साफ प्रतीत होता है कि लंबे समय से उसके रखरखाव पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। सरकारी संपत्ति के इस प्रकार क्षतिग्रस्त होने और अनुपयोगी बनने की स्थिति ने नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। शहरवासियों का आरोप है कि सफाई व्यवस्था के नाम पर हर माह लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर घर-घर कचरा संग्रहण जैसी मूलभूत सेवा बंद पड़ी है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठ रहा है कि जब सरकार ने नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ये वाहन उपलब्ध कराए थे, तो उन्हें उपयोग में क्यों नहीं लिया जा रहा। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन वाहनों का संचालन और रखरखाव सुनिश्चित नहीं किया गया तो लाखों रुपए की सरकारी संपत्ति पूरी तरह नष्ट हो सकती है।

पाखर के पहाड़ी इलाके पर जर्जर अवस्था में खड़ा पालिका मंडावर का कचरा संग्रहण ईवाहन

इनका कहना है...

पाखर क्षेत्र की पहाड़ी पर किसी कचरा संग्रहण ई-वाहन के जर्जर अवस्था में खड़े होने की जानकारी फिलहाल मुझे नहीं है। मामले की जानकारी लेकर जांच करवाई जाएगी। घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था ऊपर से बंद नहीं है और वर्तमान में शहर से कचरा उठाने के लिए कुछ ट्रैक्टर लगाए हुये हैं। यदि नगरपालिका के कचरा संग्रहण ईवाहन खराब या अनुपयोगी स्थिति में पाए जाते हैं तो उनकी मरम्मत कराकर पुनः संचालन में लाया जाएगा।

सुमेरसिंह मीना, अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका मंडावर।

थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के मामले में आरोपी को किया काबू

दिल्ली पुलिस में भर्ती करवाने का झांसा देकर 11.70 लाख रुपये हड़पने का आरोप, आरोपी को न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए भुथन खुर्द निवासी अजय कुमार पुत्र रामकुमार को काबू किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि भुथन खुर्द निवासी सुनील कुमार पुत्र हनुमान सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके गांव के अजय कुमार तथा उसकी पत्नी मोनिका ने स्वयं को प्रभावशाली अधिकारियों से परिचित बताते हुए उसे दिल्ली पुलिस में नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। आरोपियों ने नौकरी लगवाने के एवज में 12 लाख रुपये की मांग की और भरोसा दिलाया कि भर्ती सुनिश्चित करवा दी जाएगी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि आरोपियों के झांसे में आकर उसने वर्ष 2023 के दौरान अलग-अलग किस्तों में कुल 11 लाख 70 हजार रुपये दे दिए। बाद में न तो उसे नौकरी दिलाई गई और न ही उसकी राशि वापस की गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को भुगतान संबंधी विवरण तथा अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध करवाए। इस संबंध में थाना सदर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 445, दिनांक 12.12.2025, धारा 406 एवं 420 भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान आरोपी अजय कुमार की संलिप्तता सामने आने पर उसे काबू कर लिया गया। निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका तथा वित्तीय लेन-देन से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भूना मोड़ पर ट्रैफिक जागरूकता की नई पहचान: एसपी निकिता खट्टर ने किया आधुनिक ट्रैफिक बूथ का उद्घाटन

अग्रवाल समाज सभा एवं रोड सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से स्थापित बूथ बनेगा सड़क सुरक्षा जागरूकता का केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सड़क सुरक्षा को जन-जन तक पहुंचाने और यातायात नियमों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने की दिशा में फतेहाबाद पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए शहर के व्यस्त भूना मोड़ पर विशेष ट्रैफिक जागरूकता बूथ स्थापित किया है। इस बूथ का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस द्वारा किया गया। अग्रवाल समाज सभा एवं रोड सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (आरएसओ) के सहयोग से स्थापित यह बूथ सड़क सुरक्षा संदेशों के प्रचार-प्रसार का एक स्थायी माध्यम बनेगा।इस अवसर पर यातायात उप पुलिस अधीक्षक जय सिंह, यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह, थाना शहर प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सहित अग्रवाल समाज सभा के संरक्षक वेदमंगल, प्रधान मनोज गर्ग, प्रयास गर्ग, देशराज बंसल, पीतांबर सिंगला, सुनील गोयल, अमित बंसल, भारत भूषण एडवोकेट, विकास बंसल, निरंजन कुमार, राजकुमार बंसल, संजय अग्रवाल, अशोक सिंगला, अमित गर्ग (एमएलए), राजीव गोयल, शिवलाल गुप्ता, नरेश गर्ग, गौरव बंसल, सुखदेव बंसल, दिनेश बंसल, सुशील बंसल, अजय जिंदल तथा राकेश गर्ग एडवोकेट सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल आंकड़े नहीं होतीं, बल्कि कई परिवारों के जीवन को प्रभावित करती हैं। इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता, अनुशासन और यातायात नियमों का पालन सबसे प्रभावी उपाय हैं। उन्होंने कहा कि भूना मोड़ जैसे अत्यधिक व्यस्त स्थान पर स्थापित यह ट्रैफिक बूथ प्रतिदिन हजारों वाहन चालकों एवं राहगीरों को सड़क सुरक्षा का संदेश देगा तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेगा।

एसपीने कहा कि फतेहाबाद पुलिस केवल कानून लागू करने वाली संस्था के रूप में ही नहीं, बल्कि समाज को सुरक्षित एवं जागरूक बनाने वाली सहभागी संस्था के रूप में भी कार्य कर रही है। जनसहयोग से चलाए जा रहे ऐसे अभियान सड़क सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सामाजिक संगठनों द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रशासन एवं समाज का मिलकर कार्य करना आवश्यक है।उन्होंने बताया कि भूना मोड़ शहर के प्रमुख यातायात केंद्रों में से एक है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान

तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल

पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिएहैं, जो उनको विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलवा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौरे में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खिलेगी।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

-ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम

रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिएइस बार भी कंगारुओं को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं साल 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करन पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ

ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनो अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनो की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमस्ट्रिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांड्या भी पीठ में जकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनो को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के

लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर स्पिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूं और विकेट ले सकूं। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको)। ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक 'डबल' (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते हैं-

भारत

पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार 'डबल' पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सरजमीं पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार स्पेल डाल पाएंगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' और 'किया सुपर लीग' में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया

छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हीली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कोर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैकग्रा, एशले गार्डनर, मेगन शूट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ट्रॉफी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड

मौजूदा चैंपियन ऐसी टीम के साथ आ रहे हैं

जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए फिट हो जाएंगी। लेकिन चार्ली डीन की कप्तानी में इंग्लैंड ने उस श्रृंखला में साबित कर दिया कि वे स्काइवर ब्रंट के बिना भी जीत सकते हैं। टीम ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की थी। टीम के पास एलिस कैपसी, सोफी एक्लेस्टोन, लिंडसे स्मिथ, फ्रेया केम्प और अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट और डैनी वाट-हॉज जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। शांत स्वभाव वाली लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाले दक्षिण अफ्रीका के पास मारिजेन कैप, अयाबोंगा खाका और एनेरी डर्कसेन के रूप में एक काबिल गेंदबाजी इकाई है। टीम को भारत और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में जगह मिली है इसलिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें हर समय सतर्क रहना होगा।

छुपा रुस्तम :श्रीलंका

विश्व कप से पहले श्रीलंका की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर पर पांच मैच जीते हैं। श्रीलंका की सबसे बड़ी स्टार कप्तान चामरी अटापट्टू हैं जिन्हें टूर्नामेंट में बल्ले से अहम भूमिका निभानी होगी। टीम हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस स्टार खिलाड़ी पर निर्भरता कम करने में कामयाब रही है।

श्रीलंका ने हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी जैसी प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया है। हालांकि टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं है इसलिए स्पिनरों से उम्मीद की जाएगी कि वे विरोधी टीम पर लगाम कसें। इंग्लैंड में धीमे गेंदबाज कितना असर डाल पाएंगे यह बहस का विषय है। टूर्नामेंट में यह टीम की कमजोरी साबित हो सकती है।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते है। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अक्सर मैच स्थल भी भारत की पसंद के हिसाब से तय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं हैं और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार-पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अक्सर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी-कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और ड्रेसिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के वर्ल्ड कप बेस कैंप के पास फायरिंग में 9 घायल

कैनसस सिटी , एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में इंग्लैंड की फीफा वर्ल्ड कप-2026 बेस कैंप साइट के पास शनिवार को गोलीबारी हुई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। घटना ऐसे समय हुई है जब उत्तरी अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप-2026 शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। गोलीबारी कैनसस सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज के करीब हुई, जिसे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग बेस कैंप बनाया गया है। घटना स्थल बेस कैंप से करीब 4 मील दूर बताया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। टीम बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मैच खेलेगी। कैनसस सिटी पुलिस के अनुसार फायरिंग में घायल सभी 9 लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। इनमें से कम से कम 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। इंग्लैंड वर्ल्ड कप-2026 में ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेल रहा है। टीम अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगी। 1966 की विश्व चैंपियन इंग्लैंड इस बार दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

बांग्लादेश में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मृत्युदंड

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया। जस्टिस मसरूर सालेकिन ने रविवार को सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई और क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी निजी वकील दंपती की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना का ऑपरेशन, 27 आतंकियों के मारे जाने का दावा ; सुरक्षा हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में कई खुफिया-आधारित अभियानों के तहत की गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, यह ऑपरेशन मीर अली और मीरानशाह इलाकों में आतंकियों के ठिकानों पर केंद्रित था। कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 आतंकवादी मारे गए। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे आतंकी आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मारे गए आतंकियों पर निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने उन्हें विदेशी समर्थित आतंकवाद से जुड़ा बताया है। सेना ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय नेता शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की हत्या का बदला भी लिया गया। मीरानशाह में हुई इस घटना के जिम्मेदार आतंकियों को इस कार्रवाई में मार गिराया गया। आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि इलाके में अभी भी तलाशी और सफाई अभियान जारी है, ताकि किसी भी छिपे हुए आतंकी को खत्म किया जा सके। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश से विदेशी समर्थित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

टूट गया सीजफायर? ईरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें, तेहरान में एयरस्पेस बंद; सऊदी में खतरा टला

तेहरान / तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइलों से हमला किया है। अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम के बाद यह पहली बार है जब ईरान की ओर से ऐसा हमला किया गया है। इस घटनाक्रम से युद्ध समाप्त करने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है।

ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई। आईआरएनए के अनुसार, इजरायली सेना ने दावा किया कि

इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से संबंधित कई सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। आईआरएनए के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि इजरायल ने अपने नवीनतम हमलों में हवाई-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना ने रविवार रात ईरान के हमलों की जानकारी देते हुए कहा था कि वह किसी भी संभावित मिसाइल हमले और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। आईडीएफ के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने रविवार को कहा कि मिसाइलें दागकर ईरान ने 'बहुत बड़ी गलती' की है। बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौछार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान के नजफाबाद के पास इजरायली हमलों के बाद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। अल-मायादीन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी : ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी ईरान ने सऊदी अरब के अल-खार्ज एयर बेस पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने अल-खार्ज एयर बेस की ओर कोई भी गोली या मिसाइल नहीं दागी है। यह बयान उस समय आया जब अल-खार्ज इलाके में धमाके जैसी खबरें सामने आईं और सऊदी सिविल डिफेंस ने संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कहा कि खतरा टल गया है। फिलहाल घटना को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन की ओर से इस्त्राइल पर दागी गई मिसाइल : इस्त्राइल की सेना ने दावा किया है कि यमन की दिशा से उसकी सीमा की ओर एक मिसाइल दागी गई है। सेना के अनुसार मिसाइल का पता लगते ही रक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया और खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सिस्टम काम में लगाए गए।इस्त्राइली सेना ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस हमले ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सऊदी अरब ने हटाया अलर्ट, अल-खर्ज में खतरा टला : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में जारी संभावित खतरे का अलर्ट वापस ले लिया है। विभाग ने कहा कि अब स्थिति सामान्य है और खतरा टल चुका है। इससे कुछ देर पहले प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी। हालांकि अधिकारियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि खतरा किस प्रकार का था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस अलर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सऊदी अरब में अलर्ट जारी सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने और अगली सूचना तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच दोबारा मतदान की मांग, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में कथित धांधली के दावों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के पूर्वी हिस्से में स्थित सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पिछले तीन दिनों से डेरा डाले हुए हैं। इन प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और वे अब नए सिरे से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किया घेराव : जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग धरना स्थल पर जमा थे, हालांकि शनिवार को यह संख्या 30,000 के करीब पहुंच गई थी। प्रदर्शनकारियों ने जिम्नेजियम परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों को घेर रखा है ताकि अंदर रखी मतपेटियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। वे लगातार चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच शनिवार को करीब 20 से 30 चुनाव अधिकारी वहां से निकलने में कामयाब रहे लेकिन राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैलेट पेपर की कमी : राजधानी सियोल में चुनाव के दौरान अव्यवस्था की खबरें बुधवार को ही सामने आने लगी थीं, जब सियोल के सोंगपा और गंगनम जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित 12 से अधिक मतदान केंद्रों पर बैलेट पेपर कम पड़ गए थे। इस कमी के कारण कई घंटों तक मतदान रोकना पड़ा और निराश होकर कई मतदाता बिना वोट डाले ही वापस लौट गए। इस प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने पदों से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। मुख्य विपक्षी दल, पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इस विरोध प्रदर्शन को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' करार दिया है। पार्टी नेता जांग डोंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि केवल जांच या अधिकारियों को बदलने से जनता का गुस्सा शांत नहीं होगा, बल्कि दोबारा चुनाव ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने राष्ट्रपति ली जे-म्युंग से इस मुद्दे पर तत्काल वार्ता का प्रस्ताव रखा है। विपक्ष ने राष्ट्रपति को चेतावनी भी दी है कि यदि वे इस संकट को सुलझाए बिना अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा पर जाते हैं, तो उन्हें और अधिक व्यापक जन-विरोध का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इस पूरी घटना पर खेद जताया है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

तेहरान, एजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है। आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया।

गाजा में इस्त्राइली हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत; बेन ग्वीर के सोशल मीडिया पोस्ट पर छिड़ा विवाद

गाजा, एजेंसी। गाजा में रविवार को इस्त्राइल के हवाई हमलों में कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक पुलिस चौकी पर हुए इस्त्राइली हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों और मृतकों को रेड क्रिसेंट द्वारा संचालित फील्ड अस्पताल में ले जाया गया। इसके बाद दिन में गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में एक वाहन पर हुए इस्त्राइली हमले में कम से कम चार और फलस्तीनियों की मौत हो गई। शिफा अस्पताल ने इन मृतकों के शव प्राप्त होने की पुष्टि की है।

इस्त्राइली सेना ने हमलों पर नहीं की टिप्पणी : इन दोनों हमलों पर इस्त्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। हालांकि, इस्त्राइल पहले भी कहता रहा है कि वह उन लड़ाकों को निशाना बनाता है जो उसकी सेना के लिए खतरा बन सकते हैं। पिछले साल अक्तूबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के बाद बड़े पैमाने की लड़ाई में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद लगभग रोजाना इस्त्राइली गोलीबारी और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं।

'गाजा के 70% हिस्से पर होगा इस्त्राइल का नियंत्रण : इस बीच, ईरान द्वारा इस्त्राइल पर मिसाइलें दागे जाने के बाद सुरक्षा स्थिति बिगड़ने का हवाला देते हुए इस्त्राइल ने गाजा के साथ सभी सीमा पार मार्गों को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करने वाली इस्त्राइली रक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि इस्त्राइल जल्द ही गाजा के 70 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे नियंत्रण में गाजा का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है और जल्द ही हम 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे'। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्त्राइल हमास को दोबारा हथियार जुटाने या इस्त्राइल को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगा। वहीं, अमेरिका द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस के प्रमुख ने पिछले महीने माना था कि युद्धविराम प्रक्रिया का अगला चरण फिलहाल रुका हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण हमास को निरस्त्र करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति न बन पाना बताया गया है।

हमलावर को मारने के बाद मंत्री का वीडियो विवादों में : एक अलग घटना में इस्त्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जिन्होंने एक हमलावर को मार गिराया था। इस्त्राइल के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह मृत हमलावर के शव के पास खड़े दिखाई दिए। वीडियो में बेन-गवीर ने कहा, 'हर आतंकवादी का यही अंत होना चाहिए'। बेन-गवीर हाल ही में फलस्तीनी हमलावरों के लिए मृत्युदंड लागू करने संबंधी कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुके हैं, हालांकि इस कानून को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेन-गवीर इससे पहले भी कई विवादित वीडियो और बयानों को लेकर आलोचनाओं में रहे हैं। गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से जुड़े उनके वीडियो पर भी काफी विवाद हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में भी हिंसा में तेजी आई है। इस्त्राइल ने वहां सैन्य अभियानों को बढ़ाया है, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, ईरान का खतरा काफी हद तक बेअसर हो गया है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं काफी कमजोर हो गई हैं और यह संघर्ष 'अंतहीन युद्ध' नहीं बनेगा। उन्होंने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका तेहरान के साथ परमाणु समझौते को सुरक्षित करने या सैन्य साधनों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब केवल अपने मिसाइल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा ही बचा है। महीनों तक चली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान से उत्पन्न खतरा काफी हद तक कम हो गया है। ईरान की शेष सैन्य क्षमता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'शायद उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। यह काफी संख्या में मिसाइलें हैं। लेकिन यह वैसी नहीं हैं, जैसी तब थीं जब हमने पहली बार हमला किया था। जब उनसे

पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और लंबे मध्य पूर्व संघर्ष में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है, तो ट्रंप ने इस तुलना को खारिज कर दिया और कहा कि ईरान के खिलाफ चलाया गया अभियान इस क्षेत्र में पहले हुए अमेरिकी युद्धों से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, 'मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं। यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है।' यह साक्षात्कार ऐसे समय हुआ जब संघर्ष को 100 दिन पूरे हो चुके थे और प्रशासन की दीर्घकालिक रणनीति और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने पहले ही प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनकी सेना को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, ईरान के अधिकांश ड्रोन कारखाने, प्रक्षेपण स्थल और मिसाइल उत्पादन ठिकाने नष्ट कर दी गई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान की सैन्य अवसंरचना को शीघ्रता से पुनर्निर्मित करने की क्षमता को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पुनर्निर्माण में 15 या 20 साल लगेंगे। लेकिन मैं उन्हें यह मौका भी नहीं देने वाला। हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। और हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि वार्ता विफल हो जाती है तो पुनः सैन्य कार्रवाई किस आधार पर की जाएगी, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी लक्ष्मण रेखा तब होगी जब मुझे लगेगा कि मैं कोई समझौता नहीं कर पाऊंगा, या अगर मैं पर्याप्त तेजी से समझौता नहीं कर पाऊंगा।' राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि वार्ता समापन के करीब है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं, अगर कूटनीति विफल रही, तो हम इसे सैन्य रूप से समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि यह संघर्ष नए युद्धों से बचने के उनके लंबे समय से चले आ रहे चुनावी वादे के विपरीत है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी वादा नहीं किया था। मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं, यह अभियान आवश्यक था, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की ओर बढ़ रहा था। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस बात का भरोसा है कि संघर्ष दलदल में नहीं बदलेगा, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम उस स्थिति में नहीं पहुंचने वाले हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका 'लगभग तैयार' है और उसे या तो एक 'मजबूत समझौता' या टकराव का निर्णायक निष्कर्ष मिलने की उम्मीद है।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान

सैंटो डोमिंगो , एजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

दुर्घटना का मंजर विचलित करने वाले : प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई।

विमान में सवार पायलट और सह-पायलट की मौत : डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था।

टेक्सास जा रही थी फ्लाइट : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। क्या गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण हुई दुर्घटना? विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई बिल्डिंग गिरीं:एक की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था, जबकि स्त्रस ने 55 किलोमीटर गहराई दर्ज की। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है।

जनरल सैंटोस के पास था भूकंप का केंद्र : फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल : जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डैगन ने बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और

इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरंगानी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेंजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारें आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह फिलीपींस भूकंप संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बाकोलकोल ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों या ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल को अलर्ट कर दिया गया है।

सुनामी का अलर्ट जारी : भूकंप के तुरंत बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कई देशों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया। केंद्र ने चेतावनी दी कि अगले तीन घंटों के भीतर इंडोनेशिया, फिलीपींस, पलाऊ, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय इलाकों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

कई देशों में महसूस हुए झटके : भूकंप के झटके सिर्फ फिलीपींस तक सीमित नहीं रहे। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी और नॉर्थ मालुकू प्रांतों में भी कंपन महसूस किया गया।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, कार-बाइक टक्कर में 6 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना अमलनेर क्षेत्र के लोंढे फाटा के पास सुबह करीब सात बजे हुई। पुलिस के अनुसार गुजरात से एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की कार की सामने से आ रही मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बस से जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार नंदलाल महाजन, अनीता महाजन, सुरेश महाजन और निर्मला महाजन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोटरसाइकिल सवार निलेश तावड़े और फाल्गुनी भोई ने भी दम तोड़ दिया। कार चालक आदित्य महाजन के पैर में फ्रैक्चर हुआ है और उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप नेता अरोड़ा पर ईडी की रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को 100 करोड़ रुपए के कथित जीएसटी धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच के तहत पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और उससे संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के ठिकानों की तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, जालंधर, लुधियाना, बरेली और नोएडा समेत कुल छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आवासीय और व्यावसायिक परिसरों से दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़े वित्तीय लेन-देन और कथित मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों की जांच कर रही है।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में नया मोड़, भाजपा समर्थित उम्मीदवार का नामांकन फिलहाल होल्ड पर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को निर्वाचन अधिकारियों ने फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। नामांकन पत्र से जुड़े तीन बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं, जिनकी जांच निर्वाचन अधिकारी कर रहे हैं। इन आपत्तियों पर अंतिम फैसला होने तक उनके नामांकन को लंबित रखा गया है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में मुकाबला पहले ही रोचक बना हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, परिमल नाथवानी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नाथवानी की उम्मीदवारी ने चुनावी गणित को और दिलचस्प बना दिया है। राज्य की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई है और विभिन्न दलों के विधायकों के समर्थन को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। गौरतलब है कि झारखंड की इन दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव 18 जून को होना है। एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन के कारण रिक्त हुई थी, जबकि दूसरी सीट पर भारतीय जनता पार्टी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट कब होगी खत्म? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया रेलवे का रोडमैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे में यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए सबसे बड़ी समस्या कन्फर्म टिकट की होती है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेलवे इस समस्या को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है और आने वाले वर्षों में स्थिति में काफी सुधार देखने को मिलेगा। एक विशेष साक्षात्कार में रेल मंत्री ने बताया कि वेटिंग लिस्ट की मुख्य वजह यात्रियों की भारी संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच बड़ा अंतर है। उनके अनुसार, हर साल भारतीय रेलवे से करीब 750 करोड़ यात्री सफर करते हैं, जबकि सड़क परिवहन और हवाई यात्रा का आंकड़ा इससे काफी कम है। इसी कारण रेलवे पर अत्यधिक दबाव बना रहता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए देश में दो से ढाई हजार नई ट्रेनें शुरू करने की आवश्यकता है। इसके लिए रेलवे लगातार नई पटरियां बिछा रहा है और मौजूदा नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 36 हजार किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई जा चुकी हैं और लगभग 70 हजार किलोमीटर ट्रैक का उन्नयन किया गया है।

तीन साल में 731 मौतों के बाद भी शांत नहीं हुआ मणिपुर, नगा गांव में हमले के बाद बढ़ा तनाव, सुरक्षा बलों को लेकर नई शर्त

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 साल से जातीय हिंसा चल रही है। राज्य में पूरी तरह शांति नहीं है। कांगपोकपी जिले के पोंग्रिंगलॉन्ग रोंग्मेई नगा गांव में कुकी उग्रवादी संगठन ने गोलीबारी की। इस घटना के बाद लापता चुन्जांग्लुंग पान्मेई नाम के नगा विलेज गार्ड का शव जंगलों से मिला है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी। इसके बाद फैसला लिया गया है कि गांवों में सुरक्षा बलों की एंट्री पर विलेज अथॉरिटी को पहले खबर देनी होगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा-तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान गंवा चुके हैं। चूराचांदपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंग्पोक्पी में 128 मौतें दर्ज हुई हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं। इस बीच नगा समूहों का आरोप है कि केंद्र कुकी समूहों का इस्तेमाल शैडो वॉर (छाया युद्ध) के तौर पर कर रहा है। इसके अलावा चिंग मामांग गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें एक घायल हुआ है। नगा संगठनों ने सुरक्षा बलों पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, नोने जिले के लोंग्जांग/ठंगाल गांव की विलेज अथॉरिटी ने राज्य पुलिस, असम राइफल्स, सीआरपीएफ को नोटिस दिया है।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित उत्तराखंड के आदिवासी

भीम प्रज्ञा विशेष रिपोर्ट।

उत्तराखंड की हिंदी पत्रकारिता पर खोजबीन करते-करते उत्तराखंड के जाने-माने आदिवासी एडवोकेट राजेन्द्र कुटियाल से हल्द्वानी में जाकर साक्षी गौतम मिलीं। कुटियाल जी एक सामाजिक कार्यकर्ता तो हैं ही पर उत्तराखंड विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। ये उत्तराखंड के आदिवासियों की जानकारी रखने के कारण इनसे बातचीत करना उचित समझा। कुटियाल जी का कहना है उत्तराखंड के आदिवासियों की 'अमटीकर', 'गढ़ वैराट', 'छिला-दिगा' पत्रा-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं। अन्य राज्यों के आदिवासियों की तरह उत्तराखंड के आदिवासियों की कोई बड़ी पत्रिका नहीं है।

उत्तराखंड में कौन-कौन-से आदिवासी निवास करते हैं?

थारू, बुक्सा, भोटिया, जोनसारी, राजी नाम से उत्तराखंड में मुख्य रूप से आदिवासी निवास करते हैं। यहाँ सबसे साधन सम्पन्न भोटिया एवं जोनसारी आदिवासी है। साधन सम्पन्न का मुख्य कारण यह है कि ये पहले से ही व्यापारी रहे हैं। अपने विकास का आधार प्रारंभ से ही शिक्षा को मानते रहे हैं। राजी नामक आदिवासी साधन हीन होने के कारण शिक्षा से दूर रहे। इसलिए ये आर्थिक रूप से दयनीय है।

उत्तराखंड को देवभूमि कहने का औचित्य क्या है?

उत्तराखंड को देवभूमि के रूप में मनुवादियों ने

राजेंद्र कुटियाल

प्रचारित किया है। हम लोग इसे देवभूमि नहीं बोलते। इतिहास की पुस्तकों को पढ़ने से पता चलता है कि यहाँ नागवंशियों का शासन था।उसकी वजह से यहाँ कई स्थानों के नाम आज भी नाग के रूप में प्रचलित हैं। जैसे बैरीनाग। यहाँ नागजातियों के मंदिर भी हैं। बौद्ध विहारों का सनातनीकरण कर दिया गया है। सनातनी देवी-देवताओं को प्रचारित करने के लिए यहाँ के सनातनी उत्तराखंड को देवभूमि कहने लगे हैं। नंदराम बौद्ध की पुस्तक को पढ़ने से और स्पष्ट हो जाएगा।

उत्तराखंड में कौन कौन-से आदिवासी अधिक साधन सम्पन्न है और कौन-से कमजोर है?

भोट क्षेत्रा के होने के कारण हमें भोटिया जनजाति के रूप में बोला जाता है। देखा जाए तो भोटिया जनजाति शौका/रं/रौंग्पा कहलवाना अधिक पसंद करते हैं। भोटिया मूल रूप से व्यापारी होते हैं। भोटिया जनजाति के लोग भारत, तिब्बत और नेपाल देश को टैक्स देते थे। चाइना ने तिब्बत पर कब्जा किया। ये आदिवासी तिब्बत एवं नेपाल से व्यापार करते थे। वर्ष 1962 में भारत चीन युद्ध होने के कारण भोटिया जनजाति का व्यापार खत्म हो गया। शिक्षा पर भोटिया जनजाति का फोकस शुरू से ही था। महिलाएँ हों, चाहे पुरुष सभी व्यापार करते थे। व्यापार के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। वर्ष 1962 में भारत चीन युद्ध होने के कारण भोटिया आदिवासियों का व्यापार खत्म हो गया। वर्ष 1967 में उत्तराखंड की भोटिया आदिवासी को आरक्षण का लाभ मिलना शुरू हुआ। शिक्षा होने के कारण आदिवासी सरकारी सेवाओं में जाने लगे। आज आदिवासियों में सबसे अच्छी स्थिति भोटिया एवं जोनसारी आदिवासी की है। राजी नामक आदिवासी सबसे कमजोर हैं। इंसानियत के हकों से कोसों दूर हैं।

क्या उत्तराखंड में आदिवासियों से संबंधित कोई स्कूल/कॉलेज/शोध संस्थान एवं विश्वविद्यालय है?

उत्तराखंड में एक रं कम्युनिटी नाम से स्कूल है। यह रं कल्याण संस्था द्वारा संचालित है। यह छोटे बच्चों का है जो धारचूला एवं जोनसारी में भी है। बड़े स्तर पर उत्तराखंड के आदिवासियों का अभी तक कोई मेडिकल/इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं है। डॉ. आर. एस. टोलिया प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल। यह संस्थान आई.ए.एस. एवं पी.सी.एस. की टेऊनिंग के लिए प्रसिद्ध है। इस संस्थान में उत्तराखंड के सभी अधिकारियों की टेऊनिंग एवं शोध कार्य होते हैं। गंगोत्तरी गर्ब्याल गल्स इंटर कॉलेज, धारचूला, पिथौरागढ़ एवं बोक्सा जनजाति इंटर कॉलेज देहरादून, थारू इंटर कॉलेज, खटीमा, उधम सिंह नगर में संचालित हैं। विशेष बात यह है कि यहाँ के आदिवासी महापुरुषों के नाम पर कोई विश्वविद्यालय नहीं है।

उत्तराखंड के आदिवासियों की मुख्य रूप से क्या-क्या समस्याएँ है?

उत्तराखंड के आदिवासी विशेष रूप से दुर्गम क्षेत्रों में निवास करते हैं, वहाँ अच्छी सड़क की व्यवस्था नहीं है। इसे हिमालय का तराई क्षेत्रा भी कहते हैं। अब यहाँ कुछ टूरिज्म विकसित होने लगा है। यहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य की समस्याएँ है। स्वास्थ्य के चलते ही लोग पलायन कर रहे है। सुविधाएँ मिलने में अभी समय लगेगा। सवर्ण जातियों द्वारा यहाँ के आदिवासियों की जमींनों का कब्जा किया जा रहा है।

उत्तराखंड में पत्रा-पत्रिकाएँ, स्मारिकाएँ कौन-कौन-से आदिवासियों द्वारा प्रकाशित होती हैं?

उत्तराखंड से 'अमटीकर' नामक स्मारिका तथा रिंलैबा नाम से पत्रिका हल्द्वानी और देहरादून से प्रकाशित होती है। 'गढ़ वैराट' साप्ताहिक समाचार पत्रा तथा 'गढ़ बैराट' दैनिक ई-पेपर देहरादून से प्रकाशित होता है। भोटिया जनजाति से 'रिंगलैबा' पत्रिका तथा 'जोहार समाचार' भोटिया जनजाति द्वारा प्रकाशित होता है। 'जनजातियों की आवाज़' नाम से भी एक पत्रिका उत्तराखंड से प्रकाशित होती रही है। खुशाल सिंह के संपादन में 'नयी छिला-दिगा' त्रौमासिक पत्रिका जोहार साँस्कृतिक संगठन, 118, शांति विहार, निम्बूवाला, कौलागढ़, देहरादून, उत्तराखंड से वर्ष 2006 से प्रकाशित हो रही है। कुल मिलाकर उत्तराखंड के आदिवासियों की 'अमटीकर', 'गढ़ वैराट', 'छिला-दिगा' पत्रा-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं। अन्य राज्यों के आदिवासियों की तरह उत्तराखंड के आदिवासियों की कोई बड़ी पत्रिका नहीं है।

उत्तराखंड के आदिवासियों का कोई सामाजिक संगठन है और उसके क्या-क्या कार्य है?

हाँ है। बॉक्सा जनजाति कल्याण समिति, राजी जनजाति को छोड़कर उपरोक्त उत्तराखंड की चारों जनजातियों ने शिक्षा को महत्त्व दिया है। ये सरकारी सेवाओं में भी जाने लगे हैं। जो परेशानी आती हैं उनका निदान करने के लिए रं कल्याण संस्था काम करती है। इसका कार्यालय देहरादून में है। राजनीतिक स्तर पर उत्तराखंड के आदिवासियों का कोई संगठन नहीं है। स्वास्थ्य सुविधाओं का भी यहाँ की जनजातियों के लिए अभाव है। उत्तराखंड वैचारिकी मंच भी है। यह मंच भी उत्तराखंड की जनजातियों की मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्षरत है।

राजस्थान में गूंजा मंडावर का दम, ललित ने गोल्ड जीतकर बनाई राष्ट्रीय मंच पर पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। ग्रामीण अंचल की मिट्टी में पला-बढ़ा एक युवा जब अपने हौसलों को मेहनत की धार देता है तो उसकी सफलता पूरे क्षेत्र का गौरव बन जाती है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है मंडावर के युवा खिलाड़ी ललित जांगिड ने, जिसने अलवर में आयोजित शेरू क्लासिक इंडियन पावरलिफ्टिंग लीग (आईपीएल) रीजनल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल मंडावर बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी और गौरव का माहौल है। गत 7 जून को अलवर स्थित डॉ. आर.के. सिंह फार्मेसी कॉलेज में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेशभर से पहुंचे खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। डेडलिफ्ट और बेंचप्रेस स्पर्धा में दमखम का प्रदर्शन करते हुए मंडावर स्थित एस.के. फिटनेस जिम सेंटर के खिलाड़ी ललित पुत्र राधेश्याम जांगिड ने जूनियर वर्ग की 56 किलोग्राम बॉडीवेट श्रेणी में डेडलिफ्ट में 140 किलोग्राम तथा बेंचप्रेस में 85 किलोग्राम भार उठाकर प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें राजस्थान में प्रथम स्थान दिलाया और गोल्ड मेडल का गौरव भी प्रदान किया।

ललित की इस सफलता के पीछे उसके कोच एवं एस.के. फिटनेस जिम के संचालक श्रीकांत मीना का मार्गदर्शन भी अहम माना जा रहा है। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद ललित ने अपने कोच का आशीर्वाद प्राप्त कर उनका आभार व्यक्त किया। वहीं कोच श्रीकांत मीना ने खिलाड़ी की उपलब्धि को अनुशासन, निरंतर अभ्यास और कठिन परिश्रम का परिणाम बताते हुए आगामी

ललित जांगिड मंच पर गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते हुये।

प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। स्वर्ण पदक जीतने की खबर फैलते ही मंडावर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। खेल प्रेमियों, सामाजिक संगठनों और युवाओं ने ललित तथा उनके कोच को बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उचित मंच और मार्गदर्शन की होती है। कोच श्रीकांत मीना ने बताया कि अब ललित जांगिड अगले सप्ताह देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाली शेरू क्लासिक इंडियन पावरलिफ्टिंग लीग में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगा। ऐसे में क्षेत्रवासियों की उम्मीदें अब राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता से जुड़ गई हैं।

अग्रवाल समाज मालवीय नगर में परिंडा वितरण एवं शीतल ठंडाई सेवा का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। अग्रवाल समाज मालवीय नगर, जयपुर में भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिंडा वितरण एवं शीतल ठंडाई सेवा कार्यक्रम का आयोजन रेखा गोयल द्वारा किया गया।कार्यक्रम आयोजक श्रीमती रेखा गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री कालीचरण सराफ एवं श्रीमती सुमन शर्मा के करकमलों द्वारा किया गया।समाज अध्यक्ष सुभाष मित्तल एवं महामंत्री रामपाल जैन ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के अंतर्गत 400 परिंडो का तथा राहगीरों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने के लिए शीतल ठंडाई का वितरण किया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीमती मनी जैन एवं हेमा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।इस अवसर पर अग्रबंधुओं, महिला प्रकोष्ठ की सदस्याओं तथा भारतीय जनता पार्टी के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। समाज के पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से भी गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने का आह्वान किया।

माइक्रो एटीएम से किसानों को मिलेगी डिजिटल बैंकिंग की सुविधा : बलविंदर सिंह गिल

ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन का सशक्त माध्यम बनेगा माइक्रो एटीएम :चैनसिंह राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज

कोटा। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) के दिशा-निर्देशानुसार कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ में सीसीबी अधिकारियों, बैंककर्मियों एवं डेयरी अधिकारियों की संयुक्त बैठक संघ अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य दुग्ध उत्पादक समितियों में डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार एवं माइक्रो एटीएम के उपयोग को बढ़ावा देना था। बैठक में रजिस्ट्रार बलविंदर सिंह गिल,डेयरी प्रबंध निदेशक दिलखुश मीणा सहित बैंक,डेयरी के अधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान 20 से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों के माइक्रो एटीएम बनाए गए तथा उन्हें डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार बलविंदर सिंह गिल ने कहा कि माइक्रो एटीएम ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं को किसानों के द्वार तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से किसान अपने गांव में ही नकद जमा-निकासी, आधार आधारित भुगतान, बैलेंस जांच तथा अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता और तकनीक का समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादक किसानों को अब बैंकिंग सेवाओं के लिए बार-बार शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि माइक्रो एटीएम के माध्यम से उन्हें गांव स्तर पर ही नकद जमा-निकासी, आधार आधारित भुगतान तथा अन्य बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं सहकारिता विभाग डिजिटल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। माइक्रो एटीएम व्यवस्था से किसानों का समय और खर्च दोनों बचेंगे तथा बैंकिंग सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सुलभ होगी। बैठक में डेयरी समितियों में डिजिटल तकनीक के अधिकाधिक उपयोग, किसानों को जागरूक करने तथा माइक्रो एटीएम सेवाओं के विस्तार पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने किसानों से इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ जारी, पाक को पीछे छोड़ भारत ने बढ़ाया जखीरा

-भारत के पास 190 तो पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं, रुस सबसे आगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन और महाशक्तियों के बीच अविश्वास के माहौल में परमाणु हथियारों को लेकर बेहद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित वैश्विक संस्था स्टॉकहोम ने अपनी सालाना सिपरी ईयरबुक 2026 जारी की है। परमाणु हथियारों की संख्या और उनके प्रभाव को कम करने के लिए दशकों से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयास उल्टे होते दिख रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के कई देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बार फिर परमाणु हथियारों पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं। उनका मॉडर्न कर रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर परमाणु युद्ध या किसी गलतफहमी के कारण होने वाले परमाणु एस्केलेशन का खतरा बढ़ गया है। इस रिपोर्ट की सबसे बड़ी और खास बात यह है कि दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन के लिहाज से भारत ने एक नया मुकाम हासिल किया है। भारत का परमाणु हथियार भंडार साल 2025 के 180 वॉरहेड्स से बढ़कर 2026 में 190 वॉरहेड्स तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही भारत रणनीतिक रूप से अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से आगे निकल गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने परमाणु बलों और मिसाइल डिलीवरी सिस्टम को लगातार आधुनिक बना रहे हैं, लेकिन संख्या बल के मामले में भारत अब बढ़त बना चुका है। जहां भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार हैं। वहीं पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं। रिपोर्ट में भारत को लेकर एक बहुत ही अहम और ऑपरेशनल शिफ्ट का जिक्र किया गया है। भारत और चीन जैसे उभरते हुए परमाणु संपन्न देश अब शांति काल के दौरान भी अपनी मिसाइलों पर छोटी संख्या में परमाणु वॉरहेड तैनात कर सकते हैं। भारत अब किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में बेहद कम समय में जवाबी कार्रवाई करने के लिए खुद को तैयार कर चुका है।

पूरी दुनिया के स्तर पर नजर डालें तो सिपरी का अनुमान है कि जनवरी 2026 तक दुनिया का कुल परमाणु भंडार 12187 वॉरहेड्स था। अगर इसकी तुलना एक साल पहले यानी 2025 से की जाए, तो तब यह संख्या 12241 थी। कुल संख्या में मामूली गिरावट जरूर दर्ज की गई है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट भ्रामक हो सकती है। देश अपने पुराने और सेवामुक्त हो चुके परमाणु हथियारों को नष्ट करने की प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं। नए, अधिक घातक परमाणु प्रणालियों की तैनाती को तेज कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में यह ट्रेंड पूरी तरह पलट सकता है और कुल संख्या फिर से बढ़ सकती है।

परमाणु हथियारों की होड़ में आज भी शीतयुद्ध के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी यानी रूस और अमेरिका ही सबसे आगे हैं। वैश्विक स्तर पर इन दोनों देशों का ही दबदबा है। रूस इस समय दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति संपन्न देश है। जिसके पास कुल 5420 वॉरहेड्स है। वहीं अमेरिका इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जिसके पास वर्तमान में 5,042 वारहेड्स हैं। चीन भी अपने परमाणु बेड़े को बहुत आक्रामक तरीके से बढ़ा रहा है। चीन का परमाणु भंडार 600 से बढ़कर 620 वॉरहेड्स हो गया है।

रिपोर्ट में फ्रांस ने सबको चौंकाया है। फ्रांस ने अपने भंडार में सबसे तेज बढ़ोतरी करते हुए इसे 290 से सीधे 370 वॉरहेड्स तक पहुंचा दिया है। यूनाइटेड किंगडम ने अपनी रणनीतिक क्षमता को स्थिर रखा है। उसके पास वर्तमान में 225 वॉरहेड्स हैं। इजरायल का अनुमानित परमाणु भंडार बिना किसी बदलाव के 90 वॉरहेड्स है। उत्तर कोरिया भी लगातार घातक हथियार बना रहा है। उसका भंडार 50 से

बढ़कर 60 वॉरहेड्स हो गया है। दुनिया के ये देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने परमाणु शस्त्रागार को नया रूप दे रहे हैं. कई नई परमाणु-सक्षम प्रणालियों को सेना में शामिल कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक सिपरी के निदेशक करीम हग्गाग ने स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के उपकरण के रूप में परमाणु हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा है। सैन्य प्रौद्योगिकी में नए विकास, वैश्विक स्तर पर हथियारों के नियंत्रण के समझौतों का कमजोर होना और महाशक्तियों के बीच बढ़ती राजनीतिक और सैन्य प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक बेहद खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com